आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित

दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय जरीपटका, नागपुर - 440014.

स्थापना वर्ष – 1983





आर्च वाणी 2021 - 2022

Phone No. - (0712) 2631353, 2633233, 2631940
E-mail: aryawani.ngp@gmail.com, Website: www.dakm.in
https://www.facebook.com/dayanandarya.kanyamahavidyalaya.16
https://www.instagram.com/invites/contact/?i=fw6j63nfptu8&utm_content=3phbx7g

DISCLAIMER

This is to declare that the authenticity of the articles strictly lie with the authors themselves. Articles in this journal do not necessarily reflect the views of the editors. The articles cannot be used in any manner without the permissions of the respective authors or the editors.



ः प्रमुख संपादक ःः-डॉ. श्रध्दा अनिलकुमार

:: **संपादक मंडल** ::-डॉ. नीलम वीरानी डॉ. चेतना पाठक डॉ. बबीता थूल

-:: **छात्र संपादक** ::-कु. नंदिनी नामदेव





आर्च वाणी 2021 - 2022

अनुक्रमणिका

अनु.क्र.

विवरण

- १. आर्य विद्या सभा के संस्थापक पदाधिकारी एवं वर्तमान पदाधिकारी
- २. कॉलेज विकास समिती के सदस्य
- ३. महाविद्यालय का परिचय एवं दी जानेवाली सुविधाएँ तथा योजनाएँ
- ४. शिक्षक तथा शिक्षकेतर सूची
- ५. आर्शीवचन 🖈 श्री अशोककुमार क्रिपलानी, अध्यक्ष, आर्य विद्या सभा
 - एवं ★ श्री घनश्यामदास कुकरेजा, उपाध्यक्ष, आर्य विद्या सभा एवं शुभकामनाएँ कार्यरत प्राध्यापक सूची
 - \star श्री राजेश लालवानी, सचिव, आर्य विद्या सभा
 - 🖈 श्री भूषण खूबचंदानी, कोषाध्यक्ष, आर्य विद्या सभा
 - \star श्री वेदप्रकाश आर्य, कार्यकारिणी सदस्य, आर्य विद्या सभा
- ६. प्रमुख संपादकीय डॉ. श्रध्दा अनिलकुमार, प्राचार्या
- ७. महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट २०२१—२०२२
- ८. महाविद्यालय द्वारा चलाई जानेवाली राष्ट्रीय सेवा योजना अहवाल २०२१–२०२२
- ९. महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की रिपोर्ट
- १०. महाविद्यालय के ग्रंथालय की रिपोर्ट
- ११. हिंदी रचनाएँ संपादन डॉ. नीलम वीरानी, हिन्दी विभाग
- १२. मराठी रचनाएँ संपादन डॉ. बबीता थूल, मराठी विभाग
- १३. अंग्रेजी रचनाएँ संपादन डॉ. चेतना पाठक, अंग्रेजी विभाग
- १४. महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों एवं वार्षिक गतिविधियों की एक झलक

आर्य विद्या सभा के संस्थापक पदाधिकारी

- स्व. श्री रिझूमल क्रिपलानी
- स्व. श्री संगतराम आर्य
- स्व. श्री चेतराम लालवानी
- स्व. श्री आसुदास खूबचंदानी
- स्व. श्री चंदूलाल केवलरामानी
- स्व. श्री कन्हैयालाल कुकरेजा
- ख. श्री रोचलदास केवलरामानी
- स्व. श्री अर्जुनदास कुकरेजा
- स्व. श्री चंदीराम वाधवानी
- स्व. श्री ठाकुरदास लखवानी





ARYA VIDYA SABHA

1) Shri Ashokkumar Kriplani	President	
2) Shri Ghanshyamdas Kukreja	Vice President	
3) Shri Rajesh Lalwani	Secretary	
4) Shri Vedprakash Wadhwani	Joint Secretary	
5) Shri Bhushan Khubchandani	Treasurer	
6) Dr. Abhimanu Kukreja,	Executive Member	
7) Shri Dayaram Kewalramani	Member	
8) Shri Karamchand Kewalramani	Member	
9) Dr. Abhimanyu Kukreja	Member	
10) Shri Lalchand Lakhwani	Member	
11) Shri Chandulal Kewalramani	Member	
12) Shri Naresh Kewalramani	Member	
13) Shri Hariram Khubnani	Member	
14) Shri Vedprakash Arya	Member	



Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya College Development Committee (CDC) Run By Arya Vidya Sabha

1) Shri Ashokkumar Kriplani President

2) Shri Ghanshyamdas Kukreja Vice President

3) Shri Rajesh Lalwani Secretary

4) Shri Vedprakash Wadhwani Joint Secretary

5) Shri. Bhushan Khubchandani Treasurer

6) Dr. Abhimanyu Kukreja Executive Member

7) Dr. Shraddha Anilkumar Principal

(D.A.K. Mahavidyalaya)

8) Dr. Sujata Chakravorty IQ AC (Coordinator)

9) Dr. Tanuja Rajput Member

(Teacher Representative)

10) Dr. Ritu Tiwari Member

(Teacher Representative)

11) Dr. Chetna Pathak Member

(Teacher Representative)

12) Mrs. Anita Sharma Member

(Teacher Representative)

13) Mr. Harish Chanchlani Member

(Non-Teaching Representative)

14) Ms. Sonika Khubchandani Ex-Student (Representative)

15) Ms. Varsha Dange Student (Representative)

16) Ms. Nandini Namdev Student (Representative)



Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya

Jaripatka, Nagpur

TEACHING STAFF

Dr. Shraddha Anilkumar Principal

B.Sc, M.A.(Soc.), M.Lib. I.Sc,

Ph.D., Diploma in Russian

Language

Dr. Indu Mamtani Associate Professor

M.Com., M. Phil., Ph.D

Miss Geeta Galani Associate Professor

M.Com., M. Phil.

Dr. Tanuja Rajput Associate Professor

M.Com., M.Phil., Ph.D.

Dr. Sujata Chakravorty Associate Professor

M.A.(Eng.), M.Phil., Ph.D.

Dr. Sujata Sakhare Associate Professor

M.A.(Home Eco.), M.Phil,

NET, Ph.D.

Dr. Ritu Tiwari Associate Professor

M.A.(Eco.), NET, Ph.D

Dr. Mughda Deshpande Associate Professor

M.Com, M.Phil, SLET, Ph.D.

MA (Eco)



Mrs. Anita Sharma Assistant Professor

M.A. (Music) NET

Dr. Monali Masih Assistant Professor

M.A.(Music), B.Ed., M.Phil,

NET, Ph.D

Mrs. Varsha Agarkar Assistant Professor

M.A.(Eng.), B.Ed., NET

Dr. Chetna Pathak Associate Professor

M.A.(Eng.), B.Ed., Ph.D.

Dr. Babita Thool Assistant Professor

M.A.(Pol.Sci.),

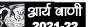
NET M.Phil, Ph.D.

Dr. Meena Balpande Assistant Professor

M.A.(MLT), MP.Ed., MPhil,

SET Ph.D.





TEACHING STAFF, NON – TEACHING STAFF & PEON



Dr. Chetna Pathak, Mrs. Anita Sharma, Dr. Shraddha Anilkumar, Dr. Tanuja Rajput, Miss Geeta Galani

Dr. Indu Mamtani, Dr. Sujata Sakhare, Mrs. Varhsa Agarkar, Dr. Monali Masih, Mrs. Babita Thool, Dr. Meena Balpande

Dr. Sujata Chakravorty, Dr. Ritu Tiwari, Ms Sneha Balani, Mrs. Shanti Jashnani

Mr. Neeraj Babuwani, Mr. Ajay Katariya, Mr. Shyamsundar Lalwani, Mr. Harish Chanchalani,

Mrs. Anita Kalamkar, Mr. Deepak Sakhare, Mr. Rupesh Sahare



महाविद्यालय का परिचय



आर्य समाज के अनेक रचनात्मक कार्यों में स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों मूल्यों और सिध्दांतों के प्रचार के साथ साथ स्त्री शिक्षा का प्रचार करना एक महत्त्वपूर्ण कार्य रहा है। इस क्षेत्र में स्थानीय छात्राओं की उच्च शिक्षा की कोई सुविधा न होने से छात्राएँ उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। अत: आर्य समाज जरीपटका के संरक्षण में स्थापित आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय की स्थापना सन 1983 में हुई।

सन 1960 में स्थापित आर्य विद्या सभा आज पूर्व प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा की ओर लगातार प्रयत्नशील है । स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में सभा के परिश्रम व लगन तथा सरकार के प्रोत्साहन से महाविद्यालय ने नागपुर शहर में एक गौरवप्रद स्थान प्राप्त किया है । यह महाविद्यालय के लिये गर्व की बात है कि वर्ष 2004-05 फरवरी में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने महाविद्यालय को B ग्रेड प्रदान किया । वर्ष 2012 सितम्बर के पुर्नमूल्यांकन में बी ग्रेड प्राप्त हुआ । तथा वर्वमान में 2018 सितंबर में पुर्नमूल्यांकन में भी B ग्रेड प्राप्त हुआ नागपुर विश्वविद्यालय ने भी कॉलेज को स्थायी संलग्नता प्रदान की है । आर्य विद्या सभा ने महाविद्यालय के वर्तमान स्थान से लगभग 2 कि.मी. दूर दो एकड़ जमीन खरीदी है, जहाँ भविष्य में महाविद्यालय की विशाल इमारत निर्मित होगी । शिक्षण सत्र 2008-09 से महाराष्ट्र शासन द्वारा स्वीकृत बी. कॉम कम्प्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रम चलाया जाता है ।

महाविद्यालय का ध्येय छात्राओं को मात्र शिक्षित करना ही नहीं है अपितु भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के आधार पर वर्तमान अनुशासनहीनता और आचारहीनता के वायुमंडल में शालीनता, पवित्रता एवं राष्ट्रीयता की अनुपम ज्योति जगाना भी है |

युगप्रवीतकः महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती

युगप्रवर्तक महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती आर्य समाज के संस्थापक, भारतीय नवजागरण के पुरोधा तथा आधुनिक ऋषियों, सुधारकों, विद्वानों में श्रेष्ठ पुरूष थे। स्वामी दयानंद ऐसे पहले महापुरूष थे जिन्होंने यह सिध्द कर दिया कि हिंदुओं के ईश्वरीय ग्रंथ वेद संहिताएँ हैं न कि पुराण, धर्मशास्त्र, उपनिषद तथा ब्राम्हण ग्रंथ। उन्होंने यह भी प्रमाणित किया कि यद्यपि उपनिषद, ब्राम्हण ग्रंथ तथा धर्मशास्त्र ऋषिप्रणीत हैं किंतु वे वेदों पर ही निर्भर हैं और उनकी मान्यता तब तक है, जहाँ तक वे वेदानुकूल हो। महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही इस देश की संस्कृति के मूल स्त्रोत की पहचान कर उसके प्रवाह को अवरूध्द करनेवाले सारे झांड़ झंखाड़ और हिंदुओं की लाखों वर्षों की गुलामी और गंदगी को भस्म कर दिया। ऐसे युगप्रवर्तक महर्षि स्वामी दयानंद का जन्म 12 फरवरी सन 1824 ई. सौराष्ट्र गुजरात के भूभाग पर, मौरवी राज्य के टंकारा नामक नगर, मधुकांता नदी के किनारे कुलीन ब्राम्हण वंश के धनी जमींदार के यहाँ हुआ था। स्वामी दयानंद के पिता का नाम अम्बाशंकर था। मूलनक्षत्र में जन्म लेने के कारण जन्म के समय इनका नाम मूलशंकर रखा गया था और प्यार से माता-पिता इन्हें दयाराम नाम से पुकारते थे। स्वामी दयानंद के पिता का नाम अम्बाशंकर (नई शोध के अनुसार पिता का नाम करसनजी तिवारी था) तथा माता का नाम अमृत बेन (अनुबा) था।

स्वामी दयानंद सरस्वती के पिता दृढ़ विश्वासी, सुदृढ, संकत्पवान तथा स्वभाव से उग्र थे। परंतु इनकी माता मृदुता कोमलता तथा सज्जनता की साक्षात प्रतिमा थी। इसप्रकार स्वामी दयानंद को अपने पिता के दृढ़ संकत्प शक्ति तथा माता के उदार स्वभाव विरासत रूप से प्राप्त करने का द्विविध लाभ मिला। स्वामी दयानंद सरस्वती एक सुंदर नवयुवक थे, स्वस्थ एवं आकर्षक व्यक्तित्व वाले प्रतिभा संपन्न, चतुर तथा धार्मिक शास्त्रार्थ में निपुण थे। वे प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी थे, उनका उद्देश्य धन तथा शक्ति प्राप्त करना नहीं था। दयानंद स्वामी प्रतिभा संपन्न, संकत्पवान तथा परिश्रमी छात्र थे एवं सामान्य औसत विद्यार्थी से कुछ विशिष्ट थे। वे प्रत्येक तथ्य की गहराई तक प्रविष्ट होना चाहते थे। उनकी प्रिय बहन की मृत्यु ने उन्हें मृत्यु का कारण ढूँढने के लिये प्रेरित किया।

शिक्षा: - मूलशंकर महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रारंभिक शिक्षा पिता से हुई जो सामवेदी ब्राम्हण थे तथा शैव थे। पिता ने अपने पुत्र को पहले यजुर्वेद के रूद्राध्याय पढ़ाये तािक बाल्यकाल से ही उनपर शैव मत के संस्कार दृढ़ हो जाये। स्वामीजी ने बहुत से स्त्रोत, मंत्र तथा श्लोक तथा उनकी टीकाएँ भी कंठस्थ की। स्वामी दयानंद को पाँच वर्ष की आयु से ही देवनागरी लिपि का अभ्यास कराना प्रारंभ कर दिया था। आठ वर्ष का होने पर स्वामी दयानंद का यञ्चोपवीत संस्कार हुआ। दस वर्ष का होने पर उनके पिता ने उन्हें शिव की पार्थिव पूजा करने तथा विधिवत शिवरात्रि का व्रत रखने के लिए प्रेरित किया।

गुरूदक्षिणा :- सन 1863 में दयानंद का विद्या अध्ययन पूरा हो गया | उन्होंने गुरू दक्षिणा के रूप में मथुरा के गुरू प्रज्ञाचक्षु स्वामी विरजानंद जिनके चरणों में बैठकर तीन वर्ष तक विद्याध्ययन किया था, को आधा सेर लोंग भेंट किया | लेकिन गुरूजी उनकी इस दक्षिणा से संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने दयानंद से गुरू दक्षिणा के रूप में चार वचनों के पूर्णता की मांग करनी चाहीं 1) देश का उपकार 2) सत्य शास्त्रों का उद्धार 3) मत-मंतातरों की अविधा को मिटाओ 4) वैदिक धर्म का प्रचार करो |

आज्ञाकारी शिष्य ने गुरू की आज्ञा को शिरोधार्य कर, उनसे विदा लेकर उक्त वचनों को पूरा करने के लिए सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करने की तैयारी प्रारंभ कर दी। यह तैयारी सन 1867 तक चलती रही। इन चार वर्षों में स्वामी दयानंद ने आगरा, ग्वालियर, जयपुर, पुष्कर, अजमेर और मथुरा में प्रवार कर तत्कालीन परिस्थितियों पर चिंतन-मनन कर उसे सुधारने का प्रयास भी किया जिसे निम्न बिंदुओं के आधार पर समझा जा सकता हैं -

दर्शन एवं धर्म संबंधी विचार - स्वामी दयानंद के अनुसार सत्य का आचरण ही धर्म है | उनकी प्रेरणा वेद थे | उनकी दृष्टि में वेद अपौरूषेय और ईश्वर प्रणीत है | उनके अनुसार वेद सत्य विद्याओं की पुस्तक है | उन्होंने वैदिक धर्म की विकृतियों के विरूद्ध आवाज उठाई और शुद्ध वैदिक धर्म तथा समाज की भी स्थापना का प्रयास किया | इसी उद्देश्य से सन 1875 में आर्य समाज की भी स्थापना की | हिंदू धर्म में व्याप्त घोर अंधविश्वास व कुरीतियों को दूर करने का सतत प्रयास किया, जैसे - मूर्ति-पूजा, अवतारवाद, बहुदेव पूजा, पशुता का व्यवहार व विचार और अंधविश्वासी धार्मिक काव्य।

प्राचीन समय में स्वामी दयानंद से पूर्व वेदों के अध्ययन-अध्यापन पर ब्राम्हणों का अधिकार था लेकिन स्वामी दयानंद ने वेदों के अध्ययन का द्वार सभी वर्णों के लिए खोल दिया एवं पहली बार वेदों का अनुवाद हिंदी में किया।

स्वामी दयानंद ने मूर्तिपूजा तथ अवतारवाद का खंडन किया । वे ईश्वर, जीव और प्रकृति को अनादि मानते हैं । उनकी दृष्टि में छहों दार्शनिक संप्रदायों - सांख्य योग, न्याय, पूर्वमीमांसा और वेदांत परस्पर विरोधी नहीं है । क्योंकि ये वेदों की प्रमाणिकता एवं वेदों में प्रतिपादित चार प्रमुख तत्वों, 1. विज्ञान, 2. कर्म, 3. उपासना और 4. ज्ञान को ही शिरोधार्य मानते हैं ।

शिक्षा संबंधी विचार :- स्वामी दयानंद के शिक्षा विषयक मौलिक विचार सत्यार्थ प्रकाश के द्वितीय समुल्लास में संकितत है । स्वामी दयानंद का उद्देश्य भारत को आध्यात्मिक, धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से एक उन्नत राष्ट्र के रूप में संगठित करना था । उनकी शिक्षा प्रणाली इस उद्देश्य को प्राप्त करने का साधन था । वे भारतीय संस्कृति की शिक्षा एवं चिरत्र-निर्माण को प्रमुख स्थान देते थे । उन्होंने मातृभाषा की शिक्षा पर बल देते हुए हर बालक-बालिका के लिए शिक्षा की सिफारीश की । देशप्रेम की भावना, प्रजातंत्र, राष्ट्रीय एकता एवं देश की आर्थिक संपन्नता के लिए शिक्षा पर स्वामी दयानंद ने अधिक बल दिया है । उन्होंने घर, विद्यालय और गुरूकुल को शिक्षा का मुख्य अभिकरण माना है । साथ ही स्त्री शिक्षा पर अधिक बल दिया है क्योंकि वे स्त्री को भी उचित शिक्षा देकर उन्हें भी समाज का उपयोगी अंग बनाना चाहते थे ।

स्वामी दयानंद ने शिक्षा की उपदेशात्मक विधि का समर्थन किया है । उनका मत था कि वेदों को मात्र कंठस्थ करने से काम नहीं चल सकता । उसका अर्थ जानना भी आवश्यक है । श्रवण, मनन, निदिधासन शिक्षा की उपयोगी विधियाँ हैं । स्वामी दयानंद के विचारों पर आधारित दो प्रकार की शिक्षा संस्थाएँ है । एक तो डी.ए.वी. स्कूलों, कॉलेजों की श्रृंखला और दूसरे गुरूकुल ।

समाज संगठन संबंधी विचार :- स्वामी दयानंद प्रमुख रूप से समाज सुधरक थे | उन्होंने भारत की सामाजिक अधोगित के कारणों की खोज की और उन्हें दूर करने के उपाय सुझाए और वैदिक मान्यताओं के आधार पर भारतीय समाज का पुनर्गठन करने का प्रयास किया | वे भारतीय समाज में व्याप्त वर्णव्यवस्था के अस्तित्व को स्वीकारते थे पर जन्म के आधार पर नहीं बिल्क कर्म के आधार पर | स्वामी दयानंद के सामाजिक विचार यूनानी विचारक प्लेटो से मिलते हैं | प्लेटो के अनुसार ही स्वामी दयानंद का मानना है कि समाज में न्याय की स्थापना के लिए यह आवश्यक है कि उत्पादन के साधनों पर समूचे समाज का नियंत्रण रहे और सभी व्यक्तियों को उनकी योग्यता के अनुसार काम तथा वेतन मिले | इसके अतिरिक्त उन्होंने समाज संगठन के लिए निम्नलिखित शीर्षकों पर भी विचार व्यक्त किए | जैसे 1. गर्भ स्थिति, 2. वर्ण व्यवस्था, 3. आर्थिक न्याय, 4. सुखी परिवार, 5. आश्रम व्यवस्था, 6. ब्रम्हचर्य, 7. गृहस्थाश्रम, 8. पंच महायज्ञ, 9. नियोग, 10. वानप्रस्थ आश्रम, 11. सन्यास आश्रम |

इसके अतिरिक्त स्वामी दयानंद ने देशभर में जाति-पाति, उँच-नीच, छूत-अछूत, सती-प्रथा, बाल-विवाह, नर बिल, गौहत्या, धार्मिक संकीर्णता, अंधिवश्वास, कुरीति, कुप्रथा आदि हर सामाजिक समस्या के खिलाफ सशत जागरूकता अभियान चलाए और एक नए समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया । इसलिए उन्हें 'हिंदु पुनर्जागरण के मुख्य निर्माता' की संज्ञा से भी नवाजा गया है । स्वामी दयानंद ने आर्य समाज के माध्यम से धर्मिक तथा शैक्षणिक कार्य के

अतिरिक्त लोकोपकारी कार्य भी किये । इन्होंने अनाथालय तथा विधवाश्रमों की स्थापना भी की ।

नारियों के उध्दार के समर्थक :- सभी वेदांती आचार्यों में स्वामी दयानंद ही एक ऐसे आचार्य हैं जिन्होंने नारियों के गौरव को बढ़ाया है तथा उनका उध्दार किया है | उन्होंने स्त्रियों को द्विजपद प्रदान किया, शास्त्राधिकार दिए | स्वामीजी की तीक्ष्ण दृष्टि ने शीघ्र ही इस बात को देख लिया था कि हिंदू समाज के पतन का एक बड़ा कारण स्त्रियों का पिछड़ापन भी है | जब माताएं सुयोग्य न होगी तब उनकी संतान का उन्नितशील और कर्तव्यपरायन हो सकना कठिन है | अतः उन्होंने स्त्री शिक्षा का प्रबल समर्थन किया | उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में बालिववाह और सतीप्रथा बंद करने की वकालत की | साथ ही विधवा विवाह का भी समर्थन किया |

राजनैतिक विचार :- स्वामी दयानंद महर्षि, स्वामी एवं समाजसुधरक ही नहीं थे अपितु सूक्ष्मदर्शी राजनैतिक चिंतक भी थे । उनका राजनैतिक चिंतन उनके इस समग्र चिंतन का अभिन्न अंग है । स्वामी दयानंद ने सत्यार्थ प्रकाश तथा ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका में इस विषय के लिए एक-एक अध्याय अलग से लिखा है । उनका राजनीतिक चिंतन पूर्णतः स्वदेशी है । स्वामी दयानंद ने राजसत्ता के लिए कुछ नियम 'सार्वभौम महत्त्व' के नियम माने हैं । जिनमें राजा और राजपुरूषों द्वारा धर्म तथा न्याय का पालन सबसे महत्त्वपूर्ण हैं ।

स्वामी दयानंद ने राजा और राजसत्ता को एक-दूसरे से अभिन्न माना है। राजसत्ता न्याय की रक्षा करती है, शासन का संचालन करती है और इस बात का ध्यान रखती है कि लोग मानव जीवन के चार आश्रमों (ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र) के कर्तव्यों का सुचारू रीति से पालन करें। राजसत्ता धर्म का ही एक रूप है। जब राजसत्ता का उचित रीति से प्रयोग होता है तब प्रजा को आनंद मिलता है। राजसत्ता का दुष्प्रयोग होने पर चारों ओर अराजकता छा जाती है। अतः स्वामी दयानंद ने मनुस्मृति के आधर पर 18 प्रकार के विभिन्न विवादों की सूची दी है और धर्म के अनुसार न्याय व्यवस्था के संचालन पर जोर दिया है। साथ ही 1857 की राज्यक्रांति में भी महर्षि दयानंद ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

राष्ट्र संबंधी विचार : विदेशी शासन से भारत को मुक्त कराने में स्वाधीनता संग्राम में और भारत के निर्माण में महर्षि दयानंद एवं उनकी उत्तराधिकारी संस्था आर्यसमाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है । स्वामी दयानंद महान देशभक्त थे, जिन्होंने स्वराज्य का संदेश दिया । जिसे बाद में बाल गंगाधर तिलक ने अपनाया और स्वराज्य मेरा जन्म सिध्द अधिकार है का नारा दिया । स्वामी दयानंद के व्यक्तित्व में बचपन से ही गलत बातों का विरोध करना एवं अपने विचार खुलकर रखने की कला जन्म से ही निहित थी । इसी कारण ही उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत का कड़ा विरोध किया और देश को आर्य भाषा अर्थात हिंदी के प्रति जागरूक बनाया । वस्तुस्थिति यह है कि सर्वप्रथम स्वामी दयानंद सरस्वती ने ही पराधीन (आर्यावर्त) भारत में यह कहने का साहस संभवतः किया था कि भारत भातीयों का है । प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन सन 1857 की क्रांति की संपूर्ण योजना भी स्वामी दयानंद के नेतृत्व में ही तैयार की गई थी और वही उसके प्रमुख सुत्रधार थे । वे अपने प्रवचनों में श्रोताओं को प्रायः राष्ट्रवाद का ही संदेश देते थे । जिसका संकलन 'सत्यार्थ प्रकाश' में किया गया है ।

अतः युगप्रवर्तक महर्षि स्वामी दयानंद के हृदय में आदर्शवाद की उच्च भावना, यथार्थवादी मार्ग अपनाने की सहज प्रवृत्ति, मातृभूमि की नियति को नई दिशा देने का अदम्य उत्साह धार्मिक सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक दृष्टि से युगानुकूल चिंतन करने की तीव्र इच्छा तथा आर्यवर्तीय (भारतीय) जनता में गौरवमय अतीत के प्रति निष्ठा जगाने की भावना थी । उन्होंने किसी के विरोध तथ निंदा करने की परवाह किए बिना आर्यावर्त (भारत) के हिंदू समाज का कायाकत्य करना अपना ध्येय बना लिया था । उनका संपूर्ण जीवन ही तप और साधना पर आधारित था । उन्होंने वैदिक धर्म व संस्कृति के उत्थान के लिए जीवन तक प्रयास किया । इसलिए उन्हें 'हिंदु पुनर्जागरण के मुख्य निर्माता' की संज्ञा से भी नवाजा गया ।

- डॉ. नीलम हेमंत वीरानी



- १) प्रधानमंत्री कौशल्य योजना
- २) अल्पकालिक सर्टिफिकेट कोर्स Banking GST, Tally
- ३) महाराष्ट्र शासन द्वारा महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्र के समन्वय कर ॲडव्हांस डिजिटल मार्केंटिंग प्रशिक्षण
- ४) विविध प्रशिक्षणों के लिए लोन की सुविधा
- ५) सरकार द्वारा दी जानेवाली "Swyam Online Free Training"
- ६) बिना किसी शुल्क के MPSC की कक्षाएं
- (9) ICICI CSR Skill Development Programme
- ८) 75% (Placement) छात्राओं की नौकरी दी जाने की सुविधा
- ९) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया युक्त ग्रंथालय
- १०) महाविद्यालयीन एवं आंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं सहभागिता
- ११) विविध राष्ट्रीय खेलों का प्रशिक्षण
- १२) सामाजिक उत्तरदायित्व की दृष्टि से NMC द्वारा विविध अभियानों में सहभागिता
- १३) पर्यावरण के संतुलित करने के लिए विविध प्रबन्धों का आयोजन इसके अतिरिक्त भी छात्राओं के सर्वांगिण विकास एवं रोजगार की दृष्टि से समय—समय पर विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन
- १४) महाराष्ट्र राज्य उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग, महाराष्ट्र जानकारी तंत्रज्ञान सहायता केंद्र इनके संयुक्त विद्यमान में "करिअर कट्टा" उपक्रम चलाया जाता है ।





Jrom Jhe President's Desk... Dayanand Arya Kanya Mahavidyalya

Education is the most powerful weapon which you can use to change the world.

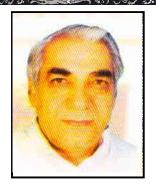
We empower our girls with a positive attitude of constructive life skills for successfully pursuing the goals of today and facing challenges of tomorrow rooted in ethical vitality of Aryan Culture. Our institution has become the study circle for all and is registering spectacular progress in academics, co-curricular activities, sports and social services and become the first choice of parents.

I appreciate the efforts being made by the college for instilling creativity among the students. As women constitute about half of the society, they should be given ample opportunities to be equal partners in the process of development and this can only be possible if they are educated. I hope the college will continue to lay emphasis on providing creative, technical, quality education to the girls and ensure that they become strong in character, capable of facing the future challenges of life boldly.

I hope the girls of our college would continue to get inspiration from the life and ideals of Swami Dayanand Saraswati and live their dreams of empowerment.

My best wishes.....

Shri Ashokkumar Kriplani President Arya Vidya Sabha



''ओ३म्''

जैसा तुम सोचते हो, वैसे ही बन जाओगे। खुद को निर्बल मानोगे तो निर्बल और सबल मानोगे तो सबल ही बन जाओगे।

स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा था कि जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सके, मनुष्य बन सके, चित्र गठन कर सके और विचारों का सामंजस्य कर सकें, वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है। मानव निर्माण को शिक्षा का मूल उद्देश्य मानने वाले स्वामी दयानंद सरस्वती का शैक्षिक दर्शन परम्परागत और आधुनिक शिक्षा प्रणाली का अद्भुत समन्वय हैं। मेरा मानना है कि —

प्रकृति नहीं डरकर झुकती हैं, कभी भाग्य के बल से। सदा हारती वह, मनुश्य के उद्यम, परिश्रम बल से।

हमें युवा पीढ़ी को इस काबिल बनाना है कि वे जीवनभर अपने आप को प्रशिक्षित करते रहें, यही शिक्षा का असली उद्देश्य है। कुछ इसी तरह के पुरूषार्थों एवं परिश्रम से दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय सतत प्रयत्नशील रहकर छात्राओं के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए उत्तर नागपुर में अपने विशेष पहचान बना चुका है।

सपने उनके पूरे होते हैं, जिनके सपनों में जान होती है। पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।

मेरी आशा और उम्मीद है कि छात्राओं को महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शो पर आधारित उच्च संस्कार प्रदान करने एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में महाविद्यालय सतत विभिन्न गतिविधि । यों का आयोजन करता है। उसमें छात्राएँ अधिक से अधिक सहभागी होकर उसका पूरा लाभ उठाएँ और अपना, अपने इस परिवार, इस कॉलेज, समाज और देश का नाम आकाश की बुलंदियों तक ले जाएँ क्योंकि शिक्षा ही वह सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग आप दुनिया बदलने के लिए कर सकते हैं।

श्री घनश्यामदास कुकरेजा

उपाध्यक्ष आर्य विद्या सभा

सचिव महोदय की शुभकामनाएँ......

संदेश



शिक्षा हमारे समाज की आत्मा है, जो कि एक पीढ़ी से दूसरे पीढ़ी को दी जाती है। प्रिय छात्राओं,

विगत 39 वर्षों से आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय से मेरा निकटतम संबंध रहा हैं। मैंने निरंतर छात्राओं की गतिविधियों का अवलोकन कर उन्हें उचित दिशा में मार्गदर्शन देने का प्रयत्न

किया। आर्य समाज की विचारधारा से अनुप्राणित यह शिक्षण संस्था सदैव छात्राओं को चरित्रवान, दृढ़ आत्मविश्वासी और स्वावलंबी बनाने की दिशा में अग्रसर है।

स्वामी दयानंद सरस्वती ने नारी जाति की खोई हुई गरिमा को पुन: प्रतिष्ठित किया। आर्य समाज की यह दृढ़ धारणा है कि जब तक नारी वर्ग को पुरूष के समतुल्य शिक्षित एवं योग्य नहीं बनाया जाएगा तब तक उससे समाज विकास के लिए किसी महत्वपूर्ण योगदान की अपेक्षा नहीं की जा सकती। फलत: महर्षि दयानंद ने नारी शिक्षा हेतु अदम्य प्रयास किया। जब देश परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ा था, उस समय आर्य समाज ने कन्याओं के लिए शिक्षण संस्थाएँ स्थापित कर उन्हें घर की चारदीवारी की कैद से मुश्रत कराकर खुली हवा में साँस लेने का अवसर प्रदान किया।

गुजराती भाषी स्वामी दयानंद ने हिन्दी को अपनाकर यह सिध्द कर दिया कि सम्पूर्ण भारत के लिए वर्तमान युग में यही भाषा उपयुश्रत है। उनके लिखे ग्रंथ पढ़ने और उनके प्रवचनों को सुनने के लिए भारत के विशाल जनसमुदाय ने हिन्दी का अध्ययन किया। स्वामीजी ने पहले संस्कृत में ही भाषण का संकल्प लिया था पर जनसमुदाय के हितार्थ हिन्दी में भाषण देना उचित समझा। इससे ज्ञात होता है स्वामीजी ने तत्कालीन युग की आवश्यकता को देखते हुए हिन्दी को अंगीकार किया। इससे वैदिक प्रचार – प्रसार के साथ हिन्दी का भी प्रचार हुआ।

दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय छात्राओं के अंतरंग और बहिरंग व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। पिछड़े वर्ग की छात्राएँ भी इस स्वर्णिम अवसरों का लाभ उठा रही हैं।

शरीर और आत्मा में अधिक से अधिक जितने सौंदर्य और जितनी सम्पूर्णता का विकास हो सकता है उसे सम्पन्न करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। – प्लेटो

> राजेश लालवानी सचिव, आर्य विद्या सभा

आर्यवाणी के संबक्षक के आर्शीवचत



''ओ३म्''

अविक्षित को विक्षा दो अज्ञाती को ज्ञात षिक्षा से ही बत सकता हैं। भावत ढेष महात ।

महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने जो मार्ग दिखाया है उस मार्ग पर चलकर, आर्य समाज के आदर्शों का पालन करते हुए लड़िकयों को शिक्षा देने का महत्त्वपूर्ण कार्य 'आर्य विद्या सभा' के अंतर्गत 'दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय' सतत प्रयत्नशील होकर कर रहा है।

छात्राओं के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास की दृष्टि से इस महाविद्यालय के अनेक प्रयासों में से एक है - 'आर्यवाणी' का संपादन। छात्राओं को साहित्य सृजन की दिशा में प्रेरित करने हेतु प्रतिवर्ष इस पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है।

मुझे आशा ही नहीं दृढ़ विश्वास है कि 'आर्य विद्या सभा' जिस पवित्र वैदिक वातावरण में छात्राओं को संस्कार देते हुए स्वावलंबी बनाने का प्रयास कर रही है। उसका छात्राएँ पूरा—पूरा लाभ उठाकर, प्रफुल्लित होकर अपने परिवार, समाज और पूरे देश को महकाएँगी क्योंकि महिलाएँ ही समाज के निर्माण का आधार होती हैं।

आशा है, ऋषिराज की यह पावन बगिया हमेशा महकती रहे। आर्य विद्या सभा द्वारा प्रज्ज्वलित इस ज्योति की लौ हमेशा बढ़ती रहे और समाज में अज्ञान का अंधकार मिटाती रहे।

> भूषण खूबचंदानी कोषाध्यक्ष. आर्य विद्या सभा

प्रगति पथ पर चलने के लिए शूभकामनाओं

के साथ.....



"हाथ पर हाथ धरे रहने से हार होती है. बाहों के बल से नाव पार होती है। पांव जब उठते हैं, अडिंग विश्वास लिए राही के, तो यकीन मानो, राह देने के लिए क्षितिज में भी दरार होती है।"

महर्शि दयानंद सरस्वती ने जो मार्ग दिखाया है, उस मार्ग पर चलकर, आर्य समाज के आदर्शों का पालन करते हुए छात्राओं को, विशेशका पिछ्डे वर्ग की छात्राओं को शिक्षा देने का महत्त्वपूर्ण कार्य "आर्य विद्या सभा" के अंतर्गत दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय सतत प्रयत्नशील होकर कर रहा है । आर्य समाज की विचारधारा से अनुप्राणित यह शिक्षण संस्था सदैव छात्राओं को चरित्रवान, दृढ़ आत्मविश्वासी और स्वावलंबी बनाने की दिशा में अग्रसर होते हुए, नागपुर में अपनी विशेश पहचान बना चुकी है। जिसके पीछे महाविद्यालय के सभी संरक्षकों, प्राचार्या महोदया एवं प्राध्यापकों का पुरूशार्थ एवं परिश्रम है इसलिए तो मुझे यह उक्ति अत्यंत प्रिय है :

> "प्रकृति नहीं डरकर झुकती है, कभी भाग्य के बल से, सदा हारती वह, मन् श्य के उद्यम, परिश्रम बल से ।"

हमारे महाविद्यालय में महर्श्वि दयानंद सरस्वती के आदर्शो और संस्कारों पर आधारित शिक्षा, दैनिक प्रार्थना, तकनीकी शिक्षा, कौशल्यों के विकास की शिक्षा दी जाती है । साथ ही समाज में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता और छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना निर्माण करने के लिए महाविद्यालय की ओर से अनेक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती है । जिसका उल्लेख इस पुस्तिका में किया गया है।

इस महाविद्यालय की प्रगति के लिए मेरी यही कामना है -बलबुते पर चले हमारे यह राश्रृट भारती कर्णधार बने हम सच्चे राश्रृट के महारथी । माता-पिता का नाम रोशन करें सूर्य की भांति, दिव्य गुणें से युक्त बने हम आदर्श विद्यार्थी ।

> श्री. वेदप्रकाश संगतराम आर्य कॉलेज इंचार्ज. कार्यकारिणी सदस्य, आर्य विद्या सभा



संपादकीय

जीवन एक ताष के खेल की तरह हैं। सही पत्तों का चयन हमारे हाथ में नहीं हैं। लेकिन हमारी सफलता निर्धारित करनेवाले पत्ते खेलना हमारे हाथ में हैं।

कुछ ऐसी ही सफलता की ओर छात्राओं को अग्रसर करता है – दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय। छात्राओं को अग्रसर करने की प्रक्रिया का एक भाग है – 'आर्यवाणी पत्रिका' जिसका प्रकाशन प्रतिवर्ष आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित हमारे महाविद्यालय दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय से किया जाता है। इस वर्ष का अंक समर्पित है – छात्राओं को उन्हें समान हक, सम्मान को लेकर जागरूक करना और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम 'breaking the bias' को सार्थक बनाना।

छात्राओं के आत्मबल, आत्मविश्वास को बढ़ाकर सकारात्मक सोच को निर्माण कर उनके संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना ही दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय का विशेष उद्देश्य रहा। इस हेतु इस वर्ष विशेष रूप से कैरिअर ओरियेनटेड प्रोग्राम, महिला सुरक्षा को लेकर NCW द्वारा वेबिनार का आयोजन, NRI मैरेजिस पर जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय वेबिनार, सात दिवसीय राष्ट्रीय गुणवत्ता कार्यक्रम, छह दिवसीय छात्र विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बी.एल.अग्रवाल कॉलेज मुंबई के संयुक्त तत्चाधान में "महिलाओं की आत्मसुरक्षा और व्यक्तित्व विकास" को लेकर कार्यशाला, सावित्रीबाई फुले जयंती, राष्ट्रीय युवा दिन जैसे कार्यक्रमों का विशेष आयोजन किया गया।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाज के लोगों में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता और छात्रो में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना निर्माण करने के लिए कई कार्यशालाएँ और कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे प्रहार NGO द्वारा ट्रैफिक जागरूकता नियमों पर कार्यक्रम । राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के द्वारा, स्वच्छता अभियान ध्रूमपान पर रोक अंगदान के प्रति जागरूकता निर्माण

करने के लिए पथनाटय और रैली, ऋषि बोधोत्सव पर प्रभातफेरी निकाली गई। पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से वृक्षारोपण किया गया। 'राष्ट्रीय पोषण माह' मनाया गया। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती मनायी गयी। Rain water Harvesting पर वेबिनार लिया गया।

मानवता के सिध्दांत का उद्घोष करते हुए रक्तदान शिविर में प्राचार्या, प्राध्यापकों एवं छात्रों द्वारा सिक्रिय होकर सामाजिक स्तर पर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। वाचन संस्कृति को बढ़ावा देने और वाचन में रुचि निर्माण करने के लिए महाविद्यालय में वाचन प्रेरणा दिवस मनाया गया। स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिए 'Personality Development' एवं 'नई पीढ़ी के शिक्षा विद्' तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) इस विषय पर तीन दिवसीय वेबिनार आयोजित किया।

इस वर्ष भी महाविद्यालय की बड़ी उपलब्धि रही। मानकापुर के विभागीय क्रीडा संकुल में आयोजित मिनी गोल्फ प्रतियोगिता में दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय की टीम ने ३६४ अंक प्राप्त की बाजी मारी और प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही विद्यापीठ की Team में छात्राओं का चयन हुआ। Intershala उपक्रम के अंतर्गत डॉ. आगरकर मैडम के प्रयासों से पाँच छात्राओं का चयन Company Placement के लिए हुआ।

इसी तरह महाविद्यालय में प्रतिवर्ष अंतर महाविद्यालयीन वाद-विवाद स्पर्धा, प्रश्नमंच, संगीत, खेलकूद प्रतियोगिताओं का उत्साहवर्धक आयोजन, छात्राओं के व्यक्तित्व का चहुँमुखी विकास का हर संभव प्रयास किया जाता है। इस वर्ष भी आर्य विद्या सभा के पूर्व सिचव चेतराम लालवानीजी की स्मृति में इनरव्हील संस्था के संयुक्त तत्वाधन में संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सिंधी काउंसिल ऑफ नागपुर लेडिज चेपटर के संयुक्त तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

आर्य विद्या सभा के सभी पदाधिकारियों के सतत मार्गदर्शन प्राचार्या एवं समस्त प्राध्यापिकाओं के प्रयासों का ही फल है कि आज हमारा महाविद्यालय नागपुर के श्रेष्ठ महाविद्यालयों में से एक है तथा दिन प्रतिदिन ऊँचाईयों की बुलंदियों को छूता जा रहा है। अतः इन समस्त गतिविधियों का संपूर्ण विवरण एवं छात्राओं के स्वरचित लेख इस पत्रिका में संग्रहित हैं।

प्राचार्या डॉ. श्रध्दा अनिल कुमार दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय जरीपटका, नागपुर



ANNUAL ACADEMIC REPORT 2021 - 2022

Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya is an institution run by Arya Vidya Sabha an organization run on the principles of Swamy Dayanand Saraswati. The main aim of the institution is to develop the overall personality of the students keeping the ideals of National Integration in the mind. The institution focus on the mental, social, cultural and spiritual development of the students. Havan, daily assembly and moral teaching unable creation of the healthy environment.

30th **June 2021** – Retirement programme - Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya organized retirement programme of office Superintendent Shri S. Lalwani.

04th **July 2021** – Tree Plantation - Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya has organized Tree Plantation programme under the guidance of Principal Dr. Shraddha Anilkumar well-organized by EVS in charge and N.S.S. in charge Ms. GeetaGalani, Dr. Chetna Pathak

11th To 18th July 2021 – 8 Day National Quality improvement programme Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya organized 8 day National Level Quality Improvement Programme on "National Education Policy 2020. India's Education 4.0 for Futuristic Growth". Dr.DevendraKawde was the Keynote Speaker of the Programme there as Dr. C. P. Kane was the Chairperson of the Programme

29th **July 2021** – International Tiger Day - International Tiger Day hosted by B.L. Amlani College and partner Institute Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Organized Mask and Poster Competition on this Tiger Day. Dr. Jitendra Aherkar was the Convener and Principal Dr. Shraddha Anilkumar was the Co-convener of the Programme.

26th **to 31**^{sth} **July 2021** – Student Development Programme - Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Political Department organizes 6 days Faculty Development Programme collaboration with P.W.S. College, Annasaheb Gundewar College, Sevadal Mahila Mv., Nabira Mahavidyalaya Katol, S.D.B.T. College Mauda.Inaugration of the

programme was done by Dr. VivekanandNartan and Dr. YeshwantPatil was the Chairman of the programme. Convenor of the programme was Dr. BabitaThool.Programme was conducted under the guidance of Dr. Shraddha Anilkumar.

5th to 7th August 2021 – Three Days Fitness Session - Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Physical Education Department organized faculty exchange programme in collaboration with B.L.Amlani College, Mumbai.

5th to 12th August 2021 – 8 Days Lecture Series - Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organizes 8 days Lecture session for B.A. II collaboration with P.W.S., Indira Gandhi Arts & Comm. College Kalmeshwar. The resource persons for the session was Dr. Sujata Chakravorty, Dr. Chetna Pathak, Dr, AmolMendhe, Dr. SudeshBhobate, Dr. Manjusha Dhoble

8th August 2021 – Webinar on Rain Water Harvesting N.S.S. Department jointly organizes Webinar on Environment Protect Rain Water Harvesting. Guest of honour of the programme was Dr. Shraddha Anilkumar and Dr. Keshav Walke. Eminent speaker of the programme Dr. RajkumarKhapekar was present. Co-cordinator of the programme was Dr. Prince Ajaykumar Agashe.

14th August 2021 - International Conference - Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya, Matru Seva Sangh and B.L. Amlani jointly organizes International Conference on Marching Towards self Reliant India.

15th August 2021 Independence Day - Dayanand AryaKanya Mahavidyalaya celebrates Independence Day programme our guest of honor were Dr. Hemant Arrani and Dr. Sanjay Kavishwar

17th Sept. 2021 – Hindi Diwas -Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organizes Essay competition on Hindi Diwasprogramme. President Shri Ghanshyamdas Kukreja organizer Dr. Shraddha Anilkumar, guest Dr. Manoj Pandey concern Dr. Neelam Veerani were present.

23th **To 27th Sept. 2021** – 7 Days Workshop - Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya N.S.S. Unit organizes "RashtriyaPoshanMah". Chairperson Dr. Shraddha Anilkumar was present, Main speaker was Dr. Sujata Sakhare, compeered by Dr. Ritu Tiwari & vote of Thanks by Dr. Tanuja Rajput.

15th To 21th Sept 2021 – 7 Days "RashtriyaPoshanMaah" ''राष्ट्रीय पोषणमाह'' Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Home-Eco Department organized 7 days students development workshop on "National Nutrition Mission" in collaboration with C.P. & Berar &Nabira Mahavidyalaya.

3rd **Oct. 2021** – Blood Donation Camp - Free Body check up and Blood Donation Camp

27th **Oct. 2021** – Covid-19 Vaccination Programme - N.S.S.Unit organizes Vaccination Campaigning Programme for college students.

1st Nov. 2021 – One Day National Webinar''NRI Marriages "D.A.K.M. Organizes One Day National Webinar on NRI marriages. Chief Guest – Dr. Sanjay Dudhe keynote speaker – Dr. Vibhuti Patel Resource Persons – Prof Amar Salve, Dr. Yogita Mandole, Dr. Jitendra Aherkar were present.

26th **Nov. 2021** – Samvidhan Diwas - Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya N.S.S. Unit & Political Science Department celebrates "Samvidhan Diwas"

16th **To 17**th **Dec. 2021** — Workshop on "Personality Development& Self defence" - N.S.S. Unit &AkhilBhartiyaVidyarthiParishad jointly organizes two days workshop on the topic "Personality development & Self DefenceTraining" ChairmanDr. Shraddha Anilkumar Chief Guest: Ms. Jaya Gangwani, Speaker — Dr. RichaKalyani were present.

02nd **Jan. 2022** – Retirement Programme - D.A.K.M. Conducted Retirement Programme of Sr. Clerk Mrs Shanti Jasnani. Members of Arya Vidya Sabha Vice President Shri Ghanshyamdas Kukreja Secretary – Shri Rajesh Lalwani, Member-Shri Ved Prakash Arya were present. Programme was organized under the guidance of Dr. Shraddha Anilkumar, Principal Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya.

08th **Jan 2022** – Savitribai Phule Jayanti - Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya jointly organizes workshop in collaboration with B.L. Amlanicolege Mumbai, Mahila

Adyayan Research Center, Rani Durgawati Vishwavidyalaya, Jabalpur. This programme of Krantijyoti Savitribai Phule Jayanti.

- 5th Jan. 2022 National Webinar Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organized one day National Webinar on IPR Patent & Design process under (NIPAM) collaboration with R.G. NIIPM. Research person for the Webinar was Mrs. Pooja Maulikar Organizer Principal Dr. Shraddha Anilkumar and Convner, Dr. Sujata Chakravorty conduct the webinar.
- 12th Jan. 2022 National Youth Day Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya N.S.S. unit celebrates Swami Vivekanand Birth Anniversary as "Rashtriya Yuva Diwas" in online mode Principal Dr. Shraddha Anilkumar guided the students.Programme was compeered by Ku. Sheela Turukmane& vote of thanks by Ku. KomalChavhan.
- 17th Jan. 2022 Wealth Awarness Programme "Wealth Awareness Programme was organized in online mode. A complete guide for financial planning, tax planning & Investing for a peaceful retirement" was the theme of the programme. Trainer was Mr. Kunal Joshi, Organiser was Principal Dr. Shraddha Anilkumar.
- **26**th **Jan. 2022** Republic Day Republic Day function was conducted in college. The chief guest was Shri Shyamsunder Sugandh(Businessman). All the Arya Vidya Sabha members were present on the occasion
- **27**th **to 29**th **Jan. 2022** Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya jointly organizes Webinar on Sanskrit Language collaboration with B.L. Amlani college, women study Rani Durgavati university and Smt. P.D. Hinduja college.Resource Person was Shri Hemchand Chandola (Hindi Adhyapak) Uttarakhand.
- 1st Feb. 2022 3 Days Training Programme Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya conducted 3 days Training Programme on Community Based Disaster preparedness and Management resource person for the programme was Shri Purohit Singh, Progessional Center for D.R.R. in Geografical Planning GIPRR Division.
- **4**th **to 6**th **Feb. 2022** 3 Days Course Work Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya conducted 3 days workshop on Pali Language. It was jointly organized with B.L. Amlani, K.B. Hinduja College, Mumbai.

- 8th to 12th 2022 Functional Hindi Programme Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Hindi Department organizes 5 Days Lecture Series in Functional Hindi on various topics. The chief guest for the program was Shri GhanshyamdasKukreja. Resource Person ShriNavinkumar Singh senior language officer, BHEL, Chairman of the programme was Principal Dr. Shraddha Anilkumar.
- 11th Feb. 2022 Patriotic Song Competition Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Music Department organized Patriotic singing competition Chief Guest of the programme was Dr. AparnaAgnihotri& Judge of the programme was Ms. AnkitaTakle and Dr. Girish Chandrikapure. Programme was conducted under the guidance of Principal Dr. ShraddhaAnilkumar.
- 14th Feb. 2022 National Womans Day Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organizes National Womens Day Programme. Chairman of the Programme was Dr. Shraddha Anilkumar & Programme was compered by Dr. Chetna Pathak & vote of thanks given by Dr. InduMamtani.
- **22**th **Feb. To 4th March 2022** Virtual Lecture Series Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organizes Virtual Lecture Series of B.A. II year collaporation with Manohar KambiMahavidyalaya, P.W.S. College, V.M.V. College.
- 5th March 2022 Shraddhanjali Programme On the first Death Anniversary of Smt. DeepaLalwaniVirtuos of Remembrance Programme was conducted and a musical tribute was given.
- **5**th **March 2022** Certificate Course Career Cell organized Trade School Learn to Earn in collaboration with R.M.M.N.U.
- 6th March 2022 Health Checkup Camp Free Thelesemia test was organized by Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya
- 22th March 2022 Programme on "Safety of Womens" Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya organized programme on "Safety of Womens in Present Senario" Chief Guest of the programme Ms. Nahid Khan guided the students Dr. Shraddha

Anilkumar principal was chaired the programme. The Programme was compared by Dr. Sujata Sakhare and Dr. Chetna Pathak gave the vote of thanks.

7th April 2022 – State Level Seminar Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya, P.W.S. College, Dr. Bhal Bhole Vichar Manch, Nagpur jointly organized State Level Seminar on "Bhartiya Loktantra aur Matadar Vyavahar". Competition was taken on this topic.

9th April 2022 – Picnic organized by the college at Dwarka Water Park

10th April 2022 – Dr. Babasaheb Ambedkar - Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Political Science Department organizes 131 Anniversary of dr. Babasaheb Ambedkar guided by Principal Dr. Shraddha Anilkumar lecture given by Dr. Sujata Sakhare.

18th **April 2022** – Awareness Programme - Dept. of Political Science organized Awareness Programme on Code of Conduct, for B.A.I. & B.A. II students. Principal Dr. Shraddha Anilkumar guided the students.

22nd **April 2022** – Resolution taken on "World Earth Day" Programme conducted on "World's Earth Day" by Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya resolution taken by all the students & students did Tree Plantation in small pots. Principal Dr. Shraddha Anilkumar guided the students.

24th **April 2022** – Blood Donation Camp "MaharaktadanShivir" was organized on behalf of 93rd Jayanti of "दादा सगतरांम आर्य"

30th **April 2022** — National Conference - Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organized National Conference on "Challenges & Future Prospects in Online Submission of SSR" guest of honour was Dr. Kalpane Pandey, & Dr. Murlidhar Chandrashekhar, Keynote Speaker — Dr. Devendra Kawde, Chairperson — Dr. Parag Parodkar Resource Persons were Dr. Urmila Dabir and Dr. JyotiPatil Organizer of the conference was Dr. Shraddha Anilkumar, Principal, Management members & All Staff were present.

Dr. Monali Masih





SCHOLAR FROM DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA NAGPUR "RECEIVED"

- 1) KOREA DURBAR RAJA RAMANUJ PRATAPSINGH DEO GOLD MEDAL
- 2) LATE KU. RANI BHATIA SILVER MEDAL AWARDED ON 12^{TH} JULY 2021

"108TH CONVOCATION"

RASHTRASANT TUKDOJI MAHARAJ NAGPUR UNIVERSITY VENUE AT CONVOCATION HALL NAGPUR



KALPANA DILLIRAM CHOURSIYA 1ST MERIT



KIRTI YADAV 5TH MERIT



RUPALI THAKUR 8TH MERIT



NATIONAL SOCIAL SCHEME ANNUAL REPORT 2021 - 2022

This year one units of girls 100 were admitted in NSS program. NSS advisory committee has been formed as follows:-

1)	Dr. Shraddha Anilkumar	Principal	President
2)	Shri Virendra Kukreja	Corporator	Member
3)	Dr Tanuja Rajput	Associate Prof.	Member
4)	Dr. Ritu Tiwari	Assistant Prof.	Member
5)	Shital Turukmane	Stu. Representative	Member
6)	Ragini Namdev	Stu. Representative	Member

07/08/ to 15/09/2021: - Aazadike 75 varsh AMRUT MAHOTSVA - SwachataPakhwada Cleaniness of College premises. Sports Room, Kukerja Nager near by Office of BJP by NSS Students of Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya Nagpur.

08/08/2021 :- Rain Water Harvesting - NSS Unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya .Jaripatka, Nagpur organized Online Webinar collaboration with MatruSeva Sangh Institute of Social Work Nagpur

Topic - Environment Protection - Rain Water Harvesting

Chief Guest - Dr. Shraddha Anilkumar

Resource person - Dr Rajkumar Khapekar

HOD of Botany

Sindhu Mahavidyalaya, Nagpur

13/08/2021: Rally for Aazadike 75 varsh AMRUT MAHOTSVA

Fit India Freedom Run Campaign - Rally for AwarnessAazadike 75 varsh AMRUT MAHOTSVA,.



13/08/2021: - Aazadike 75 varsh AMRUT MAHOTSVA -

1. Drama performed by NSS Students at JingerMall Jaripatka Nagpur

2. Poster making Competition

Students got First, Second& Third Prize

First Prize: Ms Binesh Chouhan

3 Online Caram& Chess Competition

Caram Competition

Firstprize-JeminiShahu

Second Prize - Ragini Namdev

Chess Comprtition-

Firstprize-Kajal Yadav

Second Prize - Shweta Chourciya

15/08/2021:- Celebration of Independence Day - NSS Students and Staff of the college celebrated the 75th Independence Day. The staff and few students of NSS students attended and the programme following Covid safety norms. There was live streaming of the programme on Facebook. The chief guest was Dr. Asrani

28/08/2021: - Eye Check-up Camp - NSSUnit of Dayanand College organized Eye Check-up Camp in colleraboration with Madhav Netraalay Nagpur

06/09/2021 - Teachers Day - NSSUnit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya, celebrate Teachers Day via Zoom

14/09/01 - Covid-19 Vaccination - NSS Unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya & Nagpur Muncipal Corporationat Arya Samaj Mandir Jaripatka Nagpur

22/09 to 28/09/2021- Rashtriya Poshan Saftaah - 22/09/2021 First Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person -Dr Meghna Pandit

Assistant Professor



Dharam Arts & Commerce College Nagpur

23/09/2021 Second Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person -Dr

24/09/2021 Third Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person -Dr. GokulaBhalerao

HOD S.S.Girls College Gondia

25/09/2021 Fourth Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person -

26/09/2021 Fifth Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person

27/09/2021 Sixth Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person

28/09/2021 Seventh Day

Topic- of Students

Chief Guest-Dr.ShraddhaAnilkumar

Resource person

24/09/2021 - NSS Foundation Day - NSS unit of DayanadArya KanyaMahavidyalaya

celebrated NSS Foundation Day

Chief Guest- Dr. Shraddha Anilkumar

Resource person- Dr. Satyapriya H. Indurwade

Prof & HOD OF RTMNU Economics Department Nagpur.

Dr.Indurwade sir was told about NSS- Its objectives and duties of students via Zoom

02/10/2021 - Gandhi Jayanti Atma Nirbhar Bharat

Green Village Clean Village - Green Village Clean Village

NSS Unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka Nagpur

To make aware and motivate people the necessity and importance of cleaniness, greenery and non use of plastic material

03/10/2021- Blood Donation Camp- NSS Unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya organized **Blood Donation Camp**with Dada Sangatram Arya Charitable Trust Nagpur at Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka Nagpur

09/10/2021 & 10/102021 - Mazi Vasundhara Abhiyan - Tree Plantation & Swachhata Abhiyaan by NSS Unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalayaJaripatka Nagpur

15/10/2021 - Vachan Prerna Divas - The birth anniversary of Dr APJAbdul Kalam ex-president of India was celebrated as **Vachan Prerna Divas** - Students were guided about importance of reading good books even in this digital era

16/10/2021- NSS Registration

19/10/2021 & 20/10/2021- Plastic Nirmulan and KacharaSanklan Abhiyan - NSS Unit of DayanandArya KanyaMahavidyalayaJaripatka Nagpur collect plastic bottles, wastages Clean College premises, Physical education Department.Canteen etc.

25/10/2021 to onwards - Mission Yuva Swath Vaccination Covid-19- Vaccination Camp organized by Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya& Nagpur Muncipal Corporation Nagpur

31/10/2021 - Rashtriya Ekta Divas Online Zoom - Birth anniversary of Sarder Vallabbhai Patel was celebrated as' Rashtriya Ekta Divas 'the Principal Dr. Shraddha Anilkumar guided



the students on the importance of national integrity for overall development of the country as well as its people.

23/11/2021- Food-Planet- Health Online Zoom - Nagpur University Department of NSS and NSS Unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalayaJaripatka Nagpur organize a Webinar in Collaborationwith Vegan Outreach.

26/11/2021 - Indian Constitution Day Online Zoom - NSS Unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya& Department of Political Science organize a One Day Webinar on Indian Constitution Day

01/12/2021 - World Aids Day Online Zoom-NSS Unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka Nagpur.

08/12/2021 - Mission Sahasi- Programme attended at Suresh Bhat Sabhagruh, Nagpur organized by RTMNU NSS Department.

16/12/2021 & 17/12/2021- Two Day Workshop On Personality Development & Self Defence Training - NSS Unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalayaJaripatka Nagpur & Akhil Bhartiya Vidhyarthi Parishad Nagpur.

12th Jan.2022 - National Youth Day - NSS unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalayaJaripatka Nagpur.

12th Jan. to 19th Jan.2022 Online Mode: National Youth Week INCOMPLETE - NSS unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalayaJaripatkaNagpur,Department of Commerce, Department of Musi

12th Jan. to 19th Jan.2022 Online Mode1)

- 1) 12th January 2022 World Yuva Day Chairperson -Dr.ShraddhaAnilkumarPrincipal D.A.K.Mahavidyalaya,Nagpur.NSS Programmeincharge Dr.Tanuja Rajput, Dr.Ritu Tiwari2)
- **2)** 13th January 2022 Chairperson Dr. Shraddha Anilkumar Principal D.A.K.Mahavidyalaya, Nagpur. Topic Role of Music in Stress Management Special Guest- Mrs. Anita Sharma (HOD Dept. of Music 3)

- **3)** 14th January 2022 Chairperson -Dr. Shraddha Anilkumar Principal D.A.K.Mahavidyalaya, Nagpur. Topic: Dr Tanuja Rajput How to face Interview? Special Guest: Dr. Tanuja Rajput 4)
- **4) 15**th **January 2022 Chairperson -**Dr. Shraddha Anilkumar Principal D.A.K. Mahavidyalaya, Nagpur . Topic : 5)
- **5)** 17th January 2022 Chairperson Dr. Shraddha Anilkumar Principal D.A.K. Mahavidyalaya, Nagpur. Topic: Wealth Awareness Programme Special Guest: Shri. Kunal Joshi Co-ordinator of Advisors Organziation Mumbai 6)
- 6) 18th January 2022 Chairperson Dr. Shraddha Anilkumar Principal D.A.K. Mahavidyalaya, Nagpur. Topic: Special Guest: Shri. Sukrut Bhushan Mumbai (Co-ordinator SSB Institute of Govt,) Co-Ordinator of Advisors Organziation Mumbai7)
- 7) 19th January 2022 Chairperson Dr. Shraddha Anilkumar Principal D.A.K. Mahavidyalaya, Nagpur. Topic: Stress Management For Commerce Special Guest: Dr. Amit Gangwani Assistant Professor (Sindhu Mahavidyalaya, Panchpaouli Nagpur)
- 24th January 2022- National Girls Child Day- NSS unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalayaJaripatka Nagpur Competation Drawing, Singing & Dancing
- 25th January 2022- Voters Day- Posters Making Competition 5 students participated NSS unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka Nagpur, Department of Politcal Science First Prize: Second Prize:
- 25th Feb.2022 TO 27th Feb 2022/ 1st March to 6th March Training at Nagpur Muncipal Corporation Hospital Sadar Nagpur. Polio Abhiyan (INCOMPLETE) NSS unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka
- 6th March 2022- Vasantrao Deshpande Hall Civil Lines Nagpur Defense Driving Yuva Doud Manch National Road Safety Council Government of India Rashtrasant Tukdoji Maharaj Napur University Nagpur Department of NSS . NSS unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka Nagpur

- 8th March 2022 International Women's Day- Speech by Students on Preparation of Competitive Exams NSS unit of Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka Nagpur.
- 21st March to 27th March Special Camp at Varpakhad, Jaripatka Nagpur.
- 1) 21st March 2022 First Day NSS Unit of Dayanand Arya KanyaMahavidyalaya had organised a Seven Days Special Camp at WarpakhadJaripatka Nagpur. Shri Ghyanshamdas Kukerja Vice-President Arya Vidhya Sabha Shri Rajesh Lalwani Secretary Arya Vidhya Sabha Principal Dr. Shraddha Anilkumar inaugurated the camp and guided and motivated the students cleaned the took a survey of the area regarding Employment, Education, Sanitation, Watersawage etc.
- 2) 22nd March 2022 Second Day The day started with prayer & NSS song and yoga. Rally was organised on HIV/AIDS Awareness During the seven day camp the guest lecture was organised on HIV/AIDS awareness by Mrs. Tanuja Fale District Programme Officer DAPCU Nagpur Competition held on Poster making Theme: Swachhata Abhiyan &BetiPadhaoo&BetiBachaao
- 3) 23rd March 2022 Third Day The day started with prayer & NSS song and yoga. Students cleaned the surroundings and took a survey of the area. Shri Ravi Kathikatkar member of Jaanaakrosh Organization Nagpur he guided on Road Safety Awareness . After launch Ku. Shital addressed on Communication Skill Rally was organised on Road Safety Awareness 10 students were participated on Poster making Competition
- **4)** 24th March 2022 Fourth Day The day started with prayer & NSS song and yoga. Students cleaned the surroundings and took a survey of the area on Health Awareness after Covid-19 pandemic. Rally was organised on Organ Donation Awareness An Organ Donation Awareness programme was organized & guided by Shri Bulu Behera Director of Mohan Foundation Organ Donation forms filled by students for Organ Donation. Slogan Competition was organised 35 students were participated Slogan Theme was-Patriotic.
- **5) 25**th **March 2022 Fifth Day**Students cleaned the surroundings and took a survey of the area on Health Awareness. Prayer, NSS Song & yoga performed by students. Free Dental Check-up



Camp by Dr.GaganThool Dental Affairs CMDIRD JaripatkaNagpur.Docter distributed free samples of Toothpaste,mouthfreshner.& gum paste to the students and people of Warpakhad Jaripatka Nagpur.

6) 26thMarch 2022 Sixth DayStudents cleaned the surroundings and took a survey of the area on Health Awareness.Prayer, NSS Song & yoga performed by students. Guest lecture on Women Empowerment by Dr Shraddha Gawande HOD Of Economics V.M.V.College NagpurSelf Defence Training was given by Ku.SurekshaKhapardeAt evening students enjoyed Cultural programme Dance, Drama, Jokes, Songs&Antakshari etc.

7) 27thMarch 2022 Seventh Day Prayer, NSS Song & yoga performed by students. Concluding Ceremony: Chief Guest; Honourable Dada Rajesh Lalwani(Secretary of Arya Vidhya Sabha Nagpur)Special Guest: Dr. Shraddha Anilkumar (Principal Dayanand Arya Kanya Mahavidayalaya NagpurStudents won prizes in different competition held during the camp.

Dr. Tanuja Rajput

Dr. Ritu Tiwari



SPORTS REPORT 2021 - 2022

Badminton: - RTMNU Nagpur University Inter College badminton Selection trial held at Ratrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University Badminton Subhedar Hall dated on 6 December 2021 at 9:30 our college badminton players are actively participated her names are as follows:

1) Khushi Turukmane 2) Somya Sharma 3) Shruti Gupta

Basketball :- RTMNU Nagpur University Inter College basketball Selection trial held at RTMNU basketball court, dated on 6 December 2021 at 9:30 a.m. our college players are actively participated her names are as follows:-

1) Angha Shende 2) Payal Thakre 3) Nandini Bhagat

Kabaddi :- RTMNU Nagpur University inter Collegiate Kabaddi selection trial field at RTMNU Kabaddi ground dated on 6 December 2021 report in time is 9:30 a.m. our college players are actively participated her names are as follows:- 1) Sureksha Khaparde

RTMNU Inter Collegiate football trial held at S K Porwal college kamthi Dated on 8 to 10 December 2021. Our college players actively participated her name are as follows:-

1) Shweta Chaurasia 2) Namrata sonvani 3) Komal Yadav

4) Devika Sahu 5) Gauri madavi

Yuvati Aaghadi Bhartiya Janta Yuva Morcha **75 Crore Surya Namaskar RTMNU** undertaking **on "Azadi ka Amrit mahotsav"** RTMNU taking 75 crore Surya Namaskar organised by project. Our college conducted department of physical Education Under guidance of Dr Meena Balpande took Surya Namaskar bye college premises video Stooting students and staff member and non teaching staff due to Covid-19 rules and regulation .Surya namaskar Complete project. E,-community Surya Namaskar was started under the guidance of principal Dr Shraddha Anil Kumar on the occasion of Azadi ka Amrit mahotsav the Surya Namaskar got the student and professor to make Surya Namaskar visible in these the principal and all the teachers of the

college due to the corona epidemic. Student contribute in large numbers following the heavy rules.

Baseball: RTM Nagpur university organised by baseball inter Collegiate selection trial held at Krida Sankul Mankapur Stadium Nagpur dated on 9 /12 / 2021 to 11 / 12 / 2021 Our College players are actively participated her names are as follows:-

- 1) Ku Pranali Rathod
- 2) Ku. Jyoti Neware

Athletic Meet:-RTM Nagpur University Inter College athletic meet men and women held at mankapur stadium, Dated on 13 December 2021 to 16th December 2021 reporting time 8:00 a.m. our college athletes are actively participated her names are as follows:-

- 1) Prachi Thakre
- 2) Komal Chauhan
- 3) Payal Thakre
- 4) Suraksha kapade
- 5) Khushi Turukmane
- 6) Somya Sharma
- 7) zubiya Sheikh
- 8) Rajnish Sonia
- 9) Shruti Gupta

Nagpur Mahanagar Yuvati Aaghadi Bhartiya Janata Yuva Morcha organised by Box Cricket Tournaments dated on 17, 18,19 December 2021 held at Vasant Nagar Cricket ground Nagpur our college teams are actively Participated. Box Cricket teams names are as follows:-

- 1) Nisha Nandanwar
- 2) Khushi Turukmane
- 3) Vaishnavi Manthapurwar
- 4) Suraksha Khaparde
- 5) Shruti Bodele



- 6) Janvi Navghare
- 7) Shivani Shahu
- 8) Komal Chauhan

Ratrasant Tukdoji Maharaj Nagpur University football women team in the university Championship 2021-22

The competition will be held on 18-12-2021 to 27-12-21 RTMNU the university team selected by Dayanand Arya Mahavidyalaya football player Ku. Namrata sonwani BA 1st year

All India Inter University Baseball Selection team

RTM Nagpur university baseball women's team Played All India Inter University championship for year 2021-22 held at Guwahati Organised by the Assam.Royal Global University the competition will be held on 06/01/2012 to 10/01/2022 our college players are selected to the RTMNU Baseball team who have been Played the Game.her names are as follows:-

1) Ku. Jyoti neware

Softball:- RTM Nagpur university Inter College selection trial held at Nashikrao Tirpude College of Physical Education ground. Dated on 0 7/03/2022 to 09/03 2022. Our college players are actively participated her name are as follows:-

- 1) Ku. Pranali Rathore
- 2) Ku. Jyoti Nevare

All India Inter University Softball Championship for year 2021 to 22:- All India inter University Softball team held at Murthal Sonipat Organised by the Deebandhu chhote Ram University of science and Technology the Championship will be held on 10/03/22 To 14/03/22. Our college players are selected to RTM Nagpur university Softball team. Her names are as follows:- 1) Jyoti Nevar

2) Pranali Rathod

Tug of-war - RTMNU Nagpur University Inter College selection trial held at arts and commerce College koradi dated on 21 to 22 March 2022 our college players are actively participated her names are as follows:- 1) Nikita Rajpande

- 2) Srishti Dhavale
- 3) Divya wadhai
- 4) Chandani Gupta

Tug of-war: RTMNU Nagpur University inter University Tug-of-war team Selected our college players.

1) Nikita Rajpande

Mini golf Inter college Trial 2021-22:- Mini gol f inter college trial organised by RTM Nagpur University held at Krida Sankul Mankapur Stadium Nagpur dated on 3/04/22to 04/04/2022 time morning 8:00 a.m. our college team actively participated. Players names are as

- follows:- 1) Pranali Rathore
 - 2) Chandni Gupta
 - 3) Payal Thakre
 - 4) Ishika Kolhe
 - 5) Purnima Bisen
 - 6) Pooja Gaikwad
 - 7) Shanti Dhurve

All India Inter University Minigolf Championship 2021 to 2022:- All India Inter University Minigolf Championship 2022 held at Suresh Gyan vihar University Jaipur Rajasthan dated on 16/4/22 to /20/04/2022. Players names are as follows:-

- 1) Pranali Rathore
- 2) Pooja Gaikwad Chandni Gupta
- 3) Shanti Dhurve

Payal Thakre our college players selected by RTM Nagpur university Minigolf team.

Inter Collegiate Woodball selection trial: RTM Nagpur university organised by Inter College Woodball selection trial held at Nashikrao Tirpude College of Physical Education ground, Sadar Nagpur. Dated on 14 to 16 June 2022 time 4 p.m. our college team actively participated her names are as follows:-



- 1) Pranali Rathore
- 2) Payal Thakre
- 3) Puja Gaikwad
- 4) Shanti Dhurve
- 5) Prachi Thakre

All India Inter University Woodball Championship 2021 to 2022: All India Inter University Woodball Championship 2022 held at Jagannath University Jaipur, (Rajasthan) Dated on 27 June 2022 30 June 2022. Our college players are Selected by to RTM Nagpur University Woodball team. Players names are as follows:-

- 1) Ku. Puja Gaikwad
- 2) Ku. Prachi Thakre
- 3) Ku. Shanti Dhurve

All India Inter University Woodball Championship Award 2021 to 2022: All India Inter University Woodball Championship 2021 to 22, Award got by Prachi Thakre B.com final year student play by RTMNU Woodball Team.organised by Jagannath University Jaipur Rajasthan, our college player winner to Silver Medal, Second place to RTM Nagpur university Woodball team.

Dr. Meena Balpande





LIBRARY REPORT

Knowledge resources are the key for the growth of any educational institutio

So welcome to the **Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya** college Library. A Library is a heart of any Institution. It is an integral part of the college education which revolves around teaching, research & consultancy.

Dayanand Arya Kanya Mahavidhyalaya with its commitment to learning provides the students with a fully equipped library consisting of books & journals on various topics. The aim of library is inculcating reading habits and encouraging research and academic activities by rendering information services at the senior level as well as the Post – Graduate level.

The Library has been established right from the inception of the college in 1986. Initially it had 150 books. The college has continued to add to its collection and at present it holds 13800 books, 150 bound volumes of back journals, thesis & Dissertations, Minor Research projects, previous year's question papers of RTM Nagpur University etc.

A user-friendly environment has been established in the library. Presently library assistant manages the library with prompt and effective online and offline Library Services. The library follows Dewey Decimal Scheme for classification and arrangement of books.

The Library seeks to promote the vision & mission of the college by providing timely access to the quality information in various forms (Print, Online, E-resources, CDs, DVD's) to meet the teaching and learning needs of the college staff and students.

Higher studies will have to require optimum use of library resources. In today's environment knowledge is a power. D.A.K. Mahavidyalaya's Library is open access that gives you a freedom to choose and read any books of any subject.

VISION

To Help In Achieving Overall Institutional goal By Supporting Teaching – Learning Process through Learning Resources. It provides traditional and innovative library services to the right user at the right time.



MISSION

College library is open access library that gives opportunity to users to provide diverse information. Library play important role to connect people to share, create and access knowledge. The Institute encourages the free exchange of information and ideas in a democratic society.

LIBRARY COLLECTION

Sr. Collection types	Quantity
1 Books	13312
2 Journals and magazines	26
3 Journals bound volumes	150
4 News papers	08
5 E- News papers	
(direct link through college website)	10
6 Cd's and dvd's	225

E-RESOURCES

Library has registered for journals and books from "N-List" sponsored by the INFLIBNET. This facility includes 3800+ e-journals and 97000+ e-books, open access resources and also

Database/Consortium	URL.	Туре
UGC-NLIST	www.nlist.inflibnet.ac.in	Subscribed
DELNET	www.delnet.nic.in	Subscribe
Open Journals Access	www.pkp.sfu.ca/ojs-journals	Free
System (OJAS)		
Yojana Magazine	www.yojana.gov.in	Free-Back Issues
DOAJ	www.doaj.org	Free
NISCAIR	www.nopr.niscair.res.in	Free
Competitive exam	www.tcyonline.com	Partially free
Employment News	www.employmentnews.gov.in	E paper free with
		Print Subscription
Open J-Gate	www.openj-gate.com/search/Quick.aspx	Free
OAISTER Resources	www.oclc.org/oaister/	Free



Encarta Dictionary

Encyclopedia Britannica 22 Vol's Hindi Vishvakosh 12 Vol's 19 Vol's New Std Encyclopedia Premchand Granthavali 20 Vol's Jain Nendra Rachanavali 10 Vol's Achary Ramchandra shukla 8 Vol's Bacchan Rachnavali 6 Vol's Nagarjun Rachanavali 5 Vol's Prasad ki Rachanavali 5 Vol's Bhavani Prasad Mishra 5 Vol's Bhavani Prasad Mishra Rachanavali 5 Vol's Ramkumar Varma Ekanki Rachanavali – 5 Vol's Tulasi Shabdha Kosh 2 Vol's 5 Vol's Manak Hindi ke Shudha Proyog Sampoorna Sursagar 5 Vol's Gwleri Rachanavali 3 Vol's Encyclopedia Dictionary of Financial Mgt-3 Vol's Encyclopedia Bio of Indian Freedom Fgt-8 Vol's Hindi Vishvakosh 24 Vol's 4 Vol's Bharat Gyankosh Hindi Vgutpattikosh 4 Vol's Nirala Rachanavali 4 Vol's Mukhibodha Rachanavali 5 Vol's Encyclopedia of Political science 5 Vol's Encyclopedia of Home science 5 Vol's Encyclopedia of Child Development 5 Vol's Encyclopedia of Sociology 12 Vol's Encyclopedia of Economics 10 Vol's Encyclopedia of Music 6 Vol's

Encyclopedia Dictionary of Management-

3 Vol's



Encyclopedia of Food Science – 3 Vol's

Encyclopedia of Education – 4Vol's

Encyclopedia of Woman – 10 Vol's

Arya Samaj Books

Renu Rachanavali – 5 Vol's
Siyaramsharam gupt Rachanavali – 5 Vol's
Parsai Rachanavali – 6 Vol's
Yashpal ki Sampoorn Kahaniya – 3 Vol's

LIBRARY SERVICES

User Orientation Programme at the beginning of new session.

Lending Service (for under graduate students one book for one week)

(for post graduate students two books for one week)

Reprography Service

Reference Service

OPAC Service

Newspaper Clipping Service

Book Deposit scheme at (University Exam time)

Book Bank Scheme (only for economically backward class student)

Library Book Exhibition

Free Internet Facility

INFLIBNET – N-List facility

Copy of Syllabus, RTM Nagpur University previous year question paper set available in the

Reading Room.

Display of new arrivals

Display of library books on special occasion

Career/Employment Information Services

Suggestion Box





हिन्दी विभाग

संपाद्व डॉ. नीलम वीवानी

क्रमांक विवरण	रचनाकार	
गद्य विभाग		
9) खेलों का जीवन में महत्त्व	कु. सबिया खान	
२) चित्रकूट जलप्रपात	कु. दीक्षा टेंभुर्णे	
३) राजनीति में महिलाओं की भूमिका	कु. हर्षा भंभानी	
४) महिला सशक्तिकरण	कु. प्रीति देवांगन	
५) बेटी बचाओ , बेटी पढ़ाओ	कु. प्राची पटेल	
६) पुस्तक मेले का महत्व	कु. आकांशा रायकर	
७) भारतीय शिक्षा प्रणाली	कु. दिव्या वर्मा	
८) भारतीय स्वतंत्रता	कु. भाग्यदीप गंभीर	
६) कोविड-१ ६ का स्वास्थ्य पर परिणाम	कु. दीपाली गौर	
१०) पुस्तकालय	कु. गुड़िया शुक्ला	
११) स्वतंत्रता संग्राम के अनसंग हीरो	कु. एकता मेश्राम	
१२) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत के गुमनाम नायक	कु. किरण तुरूकमाने	
१३) विराट कोहली के क्रिकेटर बनने में कठिनाइयाँ	कु. जुबिया शेख	
पद्य विभाग		
9) साक्षरता जरूरी है	कु. खुशी तुरूकमाने	
२) बेटी	कु. कल्पना चौरसिया	
३) ऐ नारी	कु. निकीता लांजेवार	
४) पूरा करना अब अपना ख्वाब	कु. प्रीति कोटांगले	
५) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ	कु. दीपिका सिडाम	
६) बापू	कु. प्राची जांभुळकर	
महादी विश्वाव		



खोलों का जीवन में महत्त्व

कु. सिबया खान बी.कॉम.- प्रथम वर्ष

खेलों से मनुष्य में समय की पाबंदी और अनुशासन की भावना का विकास होता है। खेल मनुष्य को उत्साह और नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। खेलों से मनुष्य के शरीर में चुस्ती-स्फूर्ति आती है। खेल से एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है।



कई हजार सालों से खेल हमारे मानव जीवन का हिस्सा रहे हैं। खेलों की महत्ता को कम नहीं किया जा सकता है। खेलों से बच्चों में सीखने की क्षमता का विकास होता है, बल्कि युवा और बुजुर्ग लोग भी खेलों में शामिल होकर एक स्वस्थ और खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं।

खेलों के माध्यम से न सिर्फ मनुष्य शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकता है, बल्कि अपने मानिसक एवं शारिरीक तनाव को भी दूर कर सकता है। मोटापे को कम कर सकता है, खेलों से तमाम हानिकारक बीमारियाँ दूर होती हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

बच्चों के विकास में खेल अपनी महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करता है। बच्चों में खेल से ही सीखने, समझने और सोचने की क्षमता बढ़ती है, बच्चों में खेल शारीरिक विकास के साथ-साथ मानिसक विकास में सहायता करता है। खेलों से ही बच्चों में सामाजिक भावना का भी विकास होता है। इसके साथ ही खेल बच्चों में सामाजिक गुणों को विकास करने में भी काफी सहायक साबित होता है, खेल के दौरान ही बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

इसके साथ ही बच्चों की इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाने में भी खेल काफी सहायता करता है। बच्चों में खेल के माध्यम से एकत्रित होकर टीम वर्क करने का गुण आता है, इसके साथ ही खेल में जिस प्रकार खेल के नियमों का पालन करके खेला



जाता है, उससे बच्चों को जीत का मूल्य समझने मे भी सहायता मिलती है, जो कि आगे चलकर उन्हें सफलता और भरोसा हासिल करने में भी उनकी सहायता करती है।



खेल और स्पोर्टस हमारे लिए बहुत ही लाभदायक है क्योंिक वे हमें समयबध्दता, धैर्य, अनुशासन, समूह में कार्य करना और लगन सीखाते है। खेल हमें, आत्मविश्वास के स्तर का निर्माण करना और अपनी गलतियां सुधार करना सीखाता है। यदि हम खेल का नियमित अभ्यास करें, तो हम अधिक सिक्रय और स्वस्थ्य रह सकते हैं।

खेल एक शारीरिक क्रिया है, जिसके खेलने के तरीको के प्रकार से उसके अलग-अलग नाम होते हैं। खेलों को लगभग सभी बच्चे और हर उम्र के लोग पसंद करते हैं, चाहे वे लड़की हो या लड़का। हर के प्रकार का खेल शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक और बौध्दिक स्वास्थ्य के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। नियमित रूप से खेल खेलना हमारे मानसिक कौशल के विकास में सहायक होता है। यह हमारे अंदर प्रेरणा, साहस, अनुशासन और एकाग्रता जगाने का कार्य करता है।

खेल हमें हमेशा खुशहाल और स्वस्थ्य रखने के साथ ही अपराध और विकारों की समस्याओं दूर करता है। सरकार द्वारा बच्चों और विद्यार्थियों को खेलों में भाग लेने के लिए बढ़ावा देने और इनके माध्यम से लोकप्रियता प्रदान करने के लिए खेलों का राष्ट्रीय तथा



अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भी आयोजन किया जाता है। कई सारे खेल बहुत ही साधारण होते है। इनमें जीत हासिल करने के लिए नियमित रूप से अभ्यास अथक प्रयास और मेहनत करनी पड़ती है।

यह हमें प्रोत्साहित करने के साथ ही हममें देशभिक्त की भावना को भी जागृत करती है। खेल अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत से देशों के बीच तनावों का कम करने का भी एक कारगार तरीका है। देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक मजबूती में भी सुधार लाता है।

युवाओं को अपनी शारीरिक गतिविधियों में खेलों को जरूर शामिल करना चाहिए क्योंकि

इससे वह स्वस्थ और निरोग रहेंगे, साथ ही उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों में सफलता हासिल करने में भी सहायता मिलेगी।

जाहिर है कि आज जीवन में तमाम तरह की चुनौतियाँ है, जिनका सामना स्वस्थ रहकर और शांत मस्तिष्क के द्वारा ही किया जा सकता है। इसलिए युवाओं की जिंदगी में भी खेलों का खास महत्त्व है। वहीं आजकल युवा न सिर्फ व्यक्तिगत विकास के लिए खेल, खेल रहे हैं बल्कि पेशेवर तरीके से भी खेल, खेल रहे हैं, और खेलों में करियर बनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

د کیری کیکنی

- खोल दे पंख मेरे कहता है पिरंदा, अभी और उड़ान बाकी है, जमीन नहीं है मंजिल मेरी, अभी पूरा आसमान बाकी है।
- जो बदला जा सके उसे बदिलये, जो बदला न जा सके उसे स्वीकारिये,
 और जो स्वीकारा ना जा सके, उससे दूर हो जाइए, लेकिन खुद को खुश रिखए,
 वह भी एक बड़ी जिम्मेदारी है।
- एक पल के लिए मान लेते हैं कि, किस्मत में लिखे फैसले बदला नहीं करते, लेकिन आप फैसले तो लीजिए, क्या पता किस्मत ही बदल जाए।
- जींदगी में किसी से उम्मीद नहीं रखनी चाहिए,
 जो कि धोखा मनुष्य नहीं देता, बिल्क उनकी वो उम्मीदें धोखा देती है,
 जो वह दूसरों पर रखता है।



चित्रकूट जलप्रपात

कु. दीक्षा टेंभुर्णे बी.ए. - प्रथम वर्ष

चित्रकूट जलप्रताप भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले में इन्द्रावती नदी पर स्थित एक सुंदर जलप्रपात है। इस जल प्रपात की ऊँचाई ६० फीट है।

जगदलपुर से ४० कि.मी. और रायपुर से २७३ कि.मी. की दूरी पर स्थित यह जलप्रपात छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा, सबसे चौड़ा और सबसे ज्यादा जल की मात्रा प्रवाहित करने वाला जलप्रपात है। यह बस्तर संभाग का सबसे बड़ा जलप्रपात माना जाता है। जगदलपुर पास होने के कारण यह एक प्रमुख पिकनिक स्पाट के रूप में भी प्रसिध्दि प्राप्त कर चुका हैं। यह जलप्रपात घोड़े की नाल के समान मुख के कारण इस जलप्रपात के भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है। चित्रकूट जलप्रपात बहुत खूबसूरत है और पर्यटकों बहुत पसंद आता है। साधन वृक्षों एवं विंध्य पर्वतमालाओं के मध्य स्थित इस जलप्रपापत से गिरने वाली विशाल जलराशि पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

'भारतीय नियाग्रा' के नाम से प्रसिध्द चित्रकूट प्रपात वैसे तो मौसम में दर्शनीय है, परंतु वर्षा ऋतु में इसे देखना अधिक रोमांचकारी अनुभव होता है। वर्षा में ऊँचाई से विशाल जलराशि की गर्जना रोमांच और सिहरन पैदा कर देती है। वर्षा ऋतु में इसे देखना अधिक रोमांचकारी अनुभव होता है। वर्षा ऋतु में इन झरनों की खुबसूरती अत्यधिक बढ़ जाती है। जुलाई-अक्टूबर का समय पर्यटकों के यहाँ आने के लिए उचित है। चित्रकूट जलप्रपात के आस-पास घने वन विराजमान हैं, जो कि उसकी प्राकृतिक सौंदर्यता को बढ़ा देता है, रात में इस जगह को पूरी रोशनी के साथ प्रबुध्द किया गया हैं। यहाँ के झरने से गिरते पानी की सौंदर्य को पर्यटक रोशनी के साथ देख सकते हैं। अलग-अलग अवसरों पर इस जलप्रपात से कम से कम तीन और अधिकतम सात धाराएँ गिरती हैं। अतः पर्यटकों के लिए चित्रकूट जलप्रपात दर्शनीय स्थल है।



शजनीति में महिलाओं की भूमिका

कु. हर्षा भंभानी बी.ए.- द्वितीय वर्ष

राजनीति में महिलाओं की भूमिका एक बहुत व्यापक प्रभाव है जो न सिर्फ वोटिंग अधिकार, वयस्क फ्रेंचाइजी और सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना करने पर निर्भर करता है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया, राजनीतिक सिक्रयता, राजनीतिक चेतना आदि में भागीदारी से संबंधित है। हालांकि भारत में महिलाएं मतदान में भाग लेती हैं, बड़ी संख्या में निचले स्तर पर सार्वजनिक कार्यालयों और राजनीतिक दलों में प्रस्तुत है, लेकिन भारतीय राजनीति के उच्च राजनीतिक स्तरों के बीच समानता के कुछ अपवादों के अलावा महिलाओं की उपस्थिति नगण्य है।



भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पुरूष और महिलाओं को उनके लिंग के बावजूद समान शिक्तयाँ और भूमिका देने का प्रयास करता है। भारत में लगभग १५ वर्षों के लिए देश की प्रधान मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण जी, स्मृति ईरानी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, वर्तमान राजस्थान की मुख्यमंत्री सुश्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बॅनर्जी, जम्मू और कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूब मुफ्ती को किसी भी

परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आधुनिक भारत की राजनीति में प्रमुख और निर्णायक भूमिका निभायी है।

हालांकि भारत में महिलाओं के साथ व्यवहार के संबंध में सबसे खराब रिकॉर्ड है। कुपोषित, दबी कुचली, अशिक्षित और भेदभाव के साथ साथ भारतीय महिलाओं के सामने ढेरों बाधाएं है। यहाँ तक कि जन्म एक बाधा है, ग्रामीण इलाको में व्यापक रूप में मादा गर्भधारण के कारण। हमारी पंचायत की महिला नेता, शहरी नारीवादियों की परियोजना पर नाराजगी और क्रोध के बजाय, अवसरों और लागतों के बारे में स्पष्ट दिमाग वाले यथार्थवाद के साथ बात करती हैं। कई महिलाओं के लिए, एक पंचायत की बैठक में भाग लेने का मतलब एक दिन का वेतन बलिदान करना है। इसका अर्थ है कि उनके जीवन में पहली बार नेतृत्व संभालने और फिर घर में इसे ससुराल और पित की सेवा के लिए संतुलन बैठाता जितना कठिन है वो केवल वही जान सकती है।

दुनिया भर में हाल के वर्षों में राजनीति में महिलाओं का एक नया आयाम सामने आया है। अधिक से अधिक महिलाएँ अब राजनीति में प्रवेश कर रही है। परंपरागत राजनीति ने पुरूष की चिंताओं पर जोर दिया और इसलिए महिलाओं को राजनीति में अनुपस्थित रखा गया।

यह तस्वीर निराशाजनक दिखाती है, लेकिन महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के साथ-साथ कई अच्छे पहलुओं का भी पता चला है और इस परिदृश्य में सुधार के लिए कुछ पहलुओं का भी पता चला है और इस परिदृश्य में सुधार के लिए कुछ पहलुओं का भी पता चला है साथ और अधिक सुधार होगा। भारत सरकार और भारत की न्यायपालिका के संचयी प्रयासों के माध्यम से हालिया सुधार ने भारतीय महिलाओं को उम्मीद की किरण दिखाई है। भारत सरकार की पहल तीन तलाक के खिलाफ, जन धन योजना है, महिलाओं के लिए मुफ्त गैस कनेक्शन से महिलाओं को धूप वाली, दम घुटने वाले जीवन से मुक्ति काम करने वाली या मातृत्व की हाल की नीतियाँ सत्तारूढ़ सरकारों और विपक्ष में निर्णय लेने के स्तर पर महिलाओं की भागीदारी के बिना जमीनी स्तर पर महिलाओं का उत्थान असंभव होगा।

आज, हम भारत की माताओं की इच्छुक, प्रेरित बेटियाँ, हमारे भारत वतन की सेवा करने के लिए प्रतिबध्द है और हमारे मातृभूमि, भारत द्वारा विश्व गुरू की स्थिति को पुनः प्राप्त करने की दिशा में काम करते हैं।



महिला सशक्तिकश्ण

कु. प्रीति देवांगन बी.कॉम.- प्रथम वर्ष

'मिहला सशक्तिकरण' के बारे में जानने से पहले हमें से समझ लेना चाहिये कि हम सशक्तिकरण से क्या समझते हैं। 'सशक्तिकरण' से तात्पर्य किसी व्यक्ति की उस क्षमता से हैं। जिससे उसमें ये



योग्यता आ जाती है कि जिसमें वो अपने जीवन से जुड़े सभी निर्णय स्वयं ले सके। महिला सशक्तिकरण में भी हम उसी क्षमता की बात कर रहे है जहाँ महिलाएं परिवार और समाज के सभी बंधनों से मुक्त होकर अपने निर्णयों की निर्माता खुद हो।

पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा कहा गया मशहूर वाक्य ''लोगों को जगाने के लिये'', महिलाओं को जागृत होना जरूरी है। एक बार जब वो अपना कदम उठा लेती है, परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है। भारत में, महिलाओं को

सशक्त बनाने के लिये सबसे पहले समाज में उनके अधिकारों और मूल्यों को बनाए रखना जरूरी है जैसे दहेज प्रथा, अशिक्षा, यौन हिंसा, असमानता भ्रूण हत्या, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा, बलात्कार,वेश्यावृत्ति, मानव तस्करी और ऐसे ही दूसरे विषय। लैंगिक भेदभाव राष्ट्र में



सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक अंतर ले आता है जो देश को पीछे की ओर ढकेलता है। भारत के संविधान में उल्लेखित समानता के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना सबसे प्रभावशाली उपाय है, इस तरह की बुराईयों को मिटाने के लिये।

लैंगिक समानता को प्राथमिकता देने से पूरे भारत में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला

है। महिला सशक्तिकरण के उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये इसे हर एक परिवार में बचपन से प्रचारित व प्रसारित करना चाहिये। ये जरूरी है कि महिलाएँ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से मजबूत हो। चूंकि एक बेहतर शिक्षा की शुरूआत बचपन से घर पर हो सकती है, महिलाओं के उत्थान के लिये एक स्वस्थ परिवार की जरूरत है जो राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक है। आज भी कई पिछड़े क्षेत्रों में माता-पिता की अशिक्षा, असुरक्षा और गरीबी की वजह से कम उम्र में विवाह और बच्चे पैदा करने का चलन है। महिलाओं को मजबूत बनाने के लिये महिलाओं के खिलाफ होने वाले दुर्व्यवहार, लैंगिक, भेदभाव सामाजिक अलगाव तथा हिंसा आदि को रोकने के लिये सरकार कई सारे कदम उठा रही है।

महिलाओं की समस्याओं का उचित समाधान करने के लिए महिला आरक्षण बिल १०८ वाँ संविधान संशोधन का पास होना जरूरी है। ये संसद में महिलाओं की ३३ प्रतिशत हिस्सेदारी को सुनिश्चित करता है। दूसरे क्षेत्रों में भी महिलाओं को सिक्रय रूप से भागीदार बनाने के लिए कुछ प्रतिशत सीटों को आरक्षित किया गया है।

सरकार को महिलाओं के वास्तविक विकास के लिये पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में जाना होगा और वहाँ की महिलाओं को सरकार की तरफ से मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों से अवगत कराना होगा जिससे उनका भविष्य बेहतर हो सके। महिला सशक्तिकरण के सपने को सच करने के लिये लड़िकयों के महत्व और उनकी शिक्षा को प्रचारित करने की जरूरत है।





बेटी बचाओं, बेटी पढाओं

कु. प्राची पटेल बी.ए.- द्वितीय वर्ष

आज के समय में देश की बेटियों को आगे बढ़ने से रोका जाता है क्योंकि आज भी बहुत से लोग बेटियों को बेटों से कम समझते है इसिलए देश की बेटियों की सुरक्षा और उन्नित के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने एक योजना की शुरूआत की जिसका नाम "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान रचाया गया। इस योजना के माध्यम से लड़िकयों को वो सभी अधिकार मिल पाएँगे जो लड़िकयों को नहीं मिल पाते हैं। इसके द्वारा लड़िकयाँ बिना किसी झिझक और समस्या के घर के बाहर जा सकती है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान :-

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का अर्थ होता है कन्या शिशु को बचाना और उन्हें शिक्षित करना। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना को भारतीय सरकार के द्वारा २२ जनवरी, २०१५ को कन्याओं के प्रति जागरूकता लाने के लिए और महिला कल्याण में सुधार करने के लिए आरंभ किया गया था।

इस अभियान को फैलाने के लिए भारत सरकार के द्वारा बड़ी रेलियों, टी.वी. विज्ञापनों, होर्डिग, विडियो फिल्में, निबंध लेखन, 'वाद विवाद आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया था। इस अभियान को बहुत सारे लोगों के द्वारा समर्थन भी मिला है क्योंकि इसके द्वारा लड़कियों के आने वाले जीवन को सुरक्षा/सुधारा जा सकता है और सुरक्षित किया जा सकता है। उपसंहार :-

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को नरेंद्र मोदी जी ने बेटियों की रक्षा, पढ़ाई और शादी के लिए चलाया थी। सरकार इस योजना के द्वारा कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, लिंग परीक्षण आदि सामाजिक कुरीतियों को रोकने के लिए ऐसा करने वाले लोगों को सख्त से सख्त सजा देने के कानूनों को बनाया जाएगा। जिससे कोई भी व्यक्ति ऐसा करने से पहले एक बार जरूर सोचेगा। इस अभियान मे बेटी के जन्म पर खुशी मनायी जाएगी और उसे हर काम में पूरा सहयोग किया जाएगा।





पुश्तक मेले का महत्व

कु. आकांशा रायकर बी.ए.- तृतिय वर्ष

पुस्तकें मनुष्य की सच्ची साथी होती हैं। पुस्तकें ना केवल मनुष्य का ज्ञान बढ़ाती है बल्कि उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव भी डालती हैं। पुस्तकें कई विषयों पर आधारित होती हैं। यह पूरी तरह से मनुष्य के ऊपर निर्भर करता है कि वह किस तरह कि पुस्तक पढ़ना चाहता है। पुस्तकों से मिलने वाला ज्ञान मनुष्य को सही और गलत में फर्क करना सीखाता है। साल में समय-समय पर पुस्तकों का मेला आयोजित किया जाता है। पुस्तकों का मेला विशाल और बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाता है। यहाँ हर तरह की किताबें मिलती है। चाहे वह कविताएं हो, उपन्यास, ज्ञानवर्धक कहानियां, मनोरंजक कहानियां, विषय संबंधित पुस्तकें जैसे भूगोल, विज्ञान, इतिहास इत्यादि। हिंदी अंग्रेजी और अन्य मातृभाषा की पुस्तकें भी पुस्तक मेला में पायी जाती है। कुछ पुस्तकों पर विशेष छूट दी जाती है। तािक ग्राहक कम दामों में अच्छी पुस्तकें खरीद सके।



पुस्तकें अगर दुकानों में सिर्फ बिक्री होती है तो वह वही तक रह जाती है। पुस्तक मेले के जिरये पुस्तकों का प्रचार प्रसार किया जाता है तािक वह ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँच सके। पुस्तकों के मेले के माध्यम से पुस्तकों की लोकप्रियता बढ़ जाती है। पुस्तक मेले बहुत जरूरी होते है। प्रकाशकों की बिक्री को विकसित करने और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचने के लिए पुस्तक मेला आवश्यक होता है।

कभी-कभी कुछ पुस्तकों को ढूँढने के लिए कई दुकानों पर जाना पड़ता है। जब हमे पुस्तकें नहीं मिलती है, तो हमें दूसरे बाजार में जाना पड़ता है। पुस्तक मेलों में कई लोकप्रिय और जाने माने लेखकों और उपन्यासकारों की पुस्तकें मिलती है। पुस्तक का मेला जनवरी या फरवरी महीने में आयोजित किया जाता है। नाटक, बायोग्राफी से लेकर मनोहर कहानियों तक पुस्तकें उपलब्ध होती है। मन करता है कि सभी पुस्तकें खरीद लूँ।

पुस्तक मेले में केवल अपने देश के प्रकाशक ही नहीं बल्कि विदेशी प्रकाशकों ने पुस्तकों की भी बिक्री होती है। जो पुस्तकों मिलना मुश्किल होता है, पुस्तकों के मेले में वह पुस्तक मिल जाती है। लोकप्रिय प्रकाशक अपने पुस्तकों की अच्छी बिक्री के लिए ग्राहकों को पुस्तकों पर छूट देते है। इससे दोनों को लाभ मिलता है।

د کوری کاری

फर्क थोडा सा हैं, तेरे और मेरे इक्क में, तू माशूक की खातिर रात भर जागता हैं! और

मुझे मातृभूति के हालात सोने नहीं देते !!

वक्त कम है जितना दम है लगा दो..... कुछ लोगों को मै जगाता हूँ...... कुछ लोगों को तुम जगा दो.....

- नरेंद्र मोदी

भारतीय शिक्षा प्रणाली

कु. दिव्या वर्मा बी.कॉम.- प्रथम वर्ष

भारत देश की शिक्षा बहुत पुरानी शिक्षा प्रणाली है। जो अभी तक वैसे ही है, जैसे पहले थी। पहले के समय में अपने देश के शिक्षा प्रणाली की वजह से बहुत सारे प्रतिभाशाली लोग होकर गये है। जिनकी वजह से पूरी दुनिया में अपने भारत देश को गौरवान्वित किया जाता है। लेकिन यह शिक्षा प्रणाली अब पुरानी हो चुकी है।

जो बाकि देशों के मुकाबले इतनी विकिसत नहीं हुई है। यह इसिलए है क्योंिक अन्य देश विकास और उन्नित से गुजरे हैं। लेकिन भारत देश की शिक्षा प्रणाली में अभी भी कोई ज्यादा सुधार नहीं किये है। वो वही पर रूकी हुई है। जिसे आज के समय में कई सारे समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिन्हें जल्द से जल्द सुधारना होगा।



जिसे समय के साथ विकसित होना वास्तव में महत्वपूर्ण है, नहीं तो भारत जल्द ही विकास की दौड़ में पीछे रह जाएगा। हमारे देश में आज भी छात्र उसी पुरानी शिक्षा प्रणाली के सिध्दांत और परीक्षा स्वरूप पर अटके हुए हैं, जो उन्हें कम जानकार और सुपर बना रहा है।

शिक्षा प्रणाली से जुड़े कुछ मुद्दे -

अपने भारत देश की शिक्षा प्रणाली आज के समय में भी बहुत सारी समस्याओं का सामना कर रही है। जिनकी वजह से यह शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से विकिसत नहीं हो पाती है। जिसका पिरणाम सभी छात्रों के कराने वाले भविष्य पर पड़ता है। जो उनके जीवन में सफल होने मे नहीं कर पाती है। इसमें सबसे बड़ी समस्या है ग्रेडिंग प्रणाली। जो इस देश के शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी समस्या है। इस ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर एक छात्र की बुध्दिमत्ता का न्याय किया जाता है। जो परीक्षा के प्रश्नपत्र के रूप मे होता है। यह उन छात्रो के लिए बहुत अन्यायपूर्ण है जो अपने समग्र प्रदर्शन में अच्छे है, लेकिन विशिष्ट विषयों में अच्छे नहीं है।

इसिलए वो छात्र केवल अच्छे अंकों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते हैं। जिसमें वो डकैती के माध्यम से अच्छे अंक प्राप्त करने की कोशिश करते है। जो आगे चलकर उनके भविष्य के लिए नुकसानकारक साबित होता है। अपने भारतीय शिक्षा प्रणाली मे प्रैक्टिकल ज्ञान कम और किताबी ज्ञान ज्यादा होता है। लेकिन वास्तव मे यह सिध्दांत सही नहीं है। यह बात सही है कि, एक किताब में उस विषय की पूरी जानकारी रहती है, जिसके बारे में आप जानना चाहते हो। लेकिन अपने इन शिक्षा प्रणाली मे कुछ विषय ऐसे है, जिन्हें समझने के लिए किताबी ज्ञान की नहीं बल्कि प्रैक्टिकल ज्ञान की जरूरत है।

जैसे की विज्ञान, किसी भी प्रकार के खेल, कला और ऐसे ही बहुत सारे विषय है। जिनको प्रैक्टिकल के बिना अच्छे से नहीं समझा जा सकता है। इसलिए वास्तविकता की कमी के कारण वास्तविक दुनिया में बाहर जाने पर यह अभ्यास उन्हें हैरान कर देता है। भारतीय शिक्षा प्रणाली खेल और कला के महत्च पर पर्याय ओर नहीं देती है। छात्रों को हमेशा हर समय अध्ययन करने के लिए कहा जाता है जहाँ कहाँ उन्हें खेल और कला जैसी अन्य गतिविधियों के लिए समय नहीं मिलना है। हम अपनी शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए क्या कर सकते हैं ?

दिन-ब-दिन हमारी शिक्षा प्रणाली गिरती जा रही है, इस पर विचार करना और कुछ प्रभावी समाधान तैयार करना महत्वपूर्ण है जो हमारी प्रणाली में सुधार कर सकें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य बना सकें। हम स्कूलों और कॉलेजों में कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करके इसे शुरू कर सकते हैं जो ग्रेड पर कम और प्रतिभा और व्यावहारिक ज्ञान पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे।

साथ ही, स्कूल में पढ़ाए जाने वाले विषय व्यावहारिक ज्ञान के साथ होने चाहिए। इससे छात्रों को अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने और अधिक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी। हर साल पाठयक्रम को अध्ययन किया जाता है। ताकि वृध्द शिक्षा मॉडल को दूर किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, सरकारी और निजी स्कूलों को अपने ज्ञान और योग्यता के अनुसार शिक्षकों के वेतनमान मे वृध्दि करनी होगी। कई स्कूलों कम योग्यता के साथ शिक्षकों को नियुक्त करते हैं तािक कम वेतन की पेशकश की जा सके, हालांिक, यह छात्रों के सीखने को प्रभावित करता है। संक्षेप में, भारत की शिक्षा प्रणाली को समाज के साथ-साथ राष्ट्र की बेहतरी के लिए बदलना होगा।





भारतीय स्वतंत्रता

कु. भाग्यदीप गंभीर बी.ए.- तृतिय वर्ष

स्वतंत्रता दिवस भारतीयों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिन है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत देश की आजादी के लिए अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने बहुत त्याग और बलिदान दिए। हमारे भारत देश को १५ अगस्त १६४७ को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी।

बहुत सारे स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें से हम केवल कुछ ही नामों को जानते हैं, जैसे की महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार वल्लभ भाई पटेल, चंद्रशेखर आजाद और कई प्रसिध्द स्वतंत्रता सेनानी थे।

लेकिन बहुत अनसंग हीरोज ऐसे भी थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। लेकिन इनके नाम गुमनाम हो गए। उनके नाम है बिरसा मुंडा, मांतागिनी हाजरा, पीर अली खान, अरूणा असफ अली, भीकाजी कामा, कमला देवी, हजरत महल, तारा रानी श्रीवास्तव और अन्य कई नाम। इनके जीवन की वीरगाथाएँ किसी न किसी इसमें सबके सामने आते ही हैं। उन्होंने कभी इस बात की चिंता नहीं कि वे प्रसिध्द हुए या गुमनाम बने रहे क्योंकि उन सभी का उद्देश्य देश को आजादी दिलाना था। इस देश के नागरिक होने के कारण हमारा कर्तव्य हो जाता है कि हम उन स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में भी जाने जो कि गुमनामी में रहते हुए देश सेवा का अपना काम करते रहे।

एक ऐसे भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन और असहयोग आंदोलन के दौरान भाग लिया था। एक जुलूस के दौरान वे उनके शरीर पर तीन गोलियाँ लगीं फिर भी उन्होंने झंडा नही छोड़ो और वे वंद मातरम् के नारे लगाते रहे और उनका नाम था मांतागिनी हाजरा।



ऐसे ही और एक सेनापित थे जो सत्याग्रह के एक नेता होने के कारण उन्हें सेनापित कहा जाता था। स्वतंत्रता के बाद पहली बार उन्हें पुणे में भारतीय ध्वज को फहराने का सम्मान मिला था। तोड़फोड़ और सरकार के खिलाफ भाषण करने के कारण उन्होंने खुद की गिरफ्तारी दी थी । वे एक सत्याग्रही थे । अरूणा आसफ अली के बारे मे बहुत ही कम लोगों ने उनके बारे यह सुना होगा की जब वे ३३ वर्ष की थी थे तब उन्होंने सन १६४२ में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गोविलया दैंक मैदान मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ध्वज फहराया था। ऐसे ही और भी स्वतंत्रता सेनानी है, जिनके वजह से भारत को स्वतंत्रता मिली । उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को शतः शतः नमन ।

د کیری کیکنی



कोविड-19 का स्वास्थ्य पर परिणाम

कु. दीपाली गौर बी.ए.- तृतिय वर्ष

कोविड-१६ का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में कोविड महामारी के आलोक में भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में आज दिए गए बयान का पूरा व्याख्यान इस प्रकार है:-

- 9. मैंने संसद को पहले भी २ अवसरों पर एक बार फरवरी में और दोबारा इस साल मार्च में कोविड महामारी के बारे में बताया था। मैं फिर से माननीय सदस्यों को कोविड-१६ महामारी की वर्तमान स्थिति और भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी देना चाहूँगा।
- २. मेरे अंतिम संबोधन के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-१६ को महामारी घोषित किया और सभी देशों से इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के खिलाफ तत्काल और त्वरित कार्यवाही करने को कहा।
- ३. 99 सितम्बर २०२० तक दुनिया भर में २९५ देश और प्रान्त इस महामारी से प्रभावित हुए है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर के ६ लाख ५ हजार से अधिक मौतों के साथ २ करोड़ ७६ लाख से अधिक पुष्ट मामले हैं। कोरोना के मामलों में मृत्यु दर ३.२ प्रतिशत हैं।
- ४. भारत में ११ सितम्बर २०२० तक कुल ४५ लाख ६२ हजार ४१४ मामलों की पुष्टि की गई और ७६२७१ लोगों की मौत हुई तथा मृत्यु दर १.६७ प्रतिशत है, अब तक ३५ लाख ५२ हजार ६६३ (७७.६५ प्रतिशत) मरीज स्वस्थ्य हो चुके हैं। संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले और मौतें मुख्य रूप से महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तामिलनाडु, कनार्टक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, ओडिसा, असम, केरल और गुजरात में हुई हैं, उन सभी राज्यों में एक लाख से अधिक मामलें सामने आए हैं, कोविड-१६ के प्रबंधन में सरकार और पूरे सामाजिक सहयोग के हमारे मिले जुले प्रयासों से भारत संक्रमण के मामलों और इससे होनेवाली मौतों की संख्या सीमित करने में सक्षम रहा है, भारत में प्रति १० लाख की आजादी पर ५६ मौतें हुई हैं जो कि दुनिया में समान रूप से प्रभावित देशों की तुलना में सबसे न्यूनतम में से एक हैं।
- ५. महामारी विज्ञान के कई मापदंडों जैसे कि संचरण की विधी, उपनैदानिक संक्रमण वायरस की

अविध और रोग प्रतिरोधक क्षमता की भूमिका आदि पर अभी भी शोध किए जा रहें हैं। एक बार जब कोई व्यक्ति किसी संक्रमण के संपर्क में आता है, तो बीमारी 9 से 9४ दिनों के बीच कभी भी विकिसत हो सकती है। कोविड के मुख्य लक्षण बुखार, खाँसी और सांस लेने में किठनाई हैं। हमारे देश में लगभग ६२ प्रतिशत मामलों में हलके संक्रमण होने की सूचना है। वहीं मात्र केवल ५.८ प्रतिशत रोगियों को ऑक्सीजन थेरेपी की जरूरत होती है, जबकि १.७ प्रतिशत मामलों में यह बीमारी काफी गंभीर हो सकती है। जिन्हें गहन देखभाल की आवश्यकता पडती हैं। ६. भारत में इस प्रकोप की बढ़ती हुई तीव्रता ने समय रहते बचाव, सिक्रयता, श्रेणीबध्द, पूर्ण सरकार, समाज आधारित दृष्टिकोण के लिए आव्हान किया और संक्रमण को रोकने, जीवन को बचाने एवं महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापक रणनीति बनायी। ७. भारत सरकार ने उच्चतम स्तर की राजनीतिक प्रतिबध्दता के साथ कोविड-१६ को चुनौती दी है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन निर्णय था, जिसकी शुरूआत माननीय प्रधानमंत्री के आव्हान पर विशाल जनसमूह द्वारा स्वयं लगाए गए जनता कर्फ्यू के माध्यम से हुई थी, इससे यह साबित होता है कि भारत, कोविड-१६ का प्रबंधन करने के लिए सामूहिक रूप से खड़ा हुआ हैं और देश ने कोविड की तीव्रता को सफलतापूर्वक सीमित किया है। यह अनुमान लगाया गया है कि इस फैसले से लगभग 9४-२६ लाख संक्रमण के मामलें और ३७-७८ हजार मीतें कम करने में सफलता मिली है। इसके अलावा इन चार महीनों का उपयोग अतिरिक्त स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे को बनाने मानव संसाधन बढ़ाने और भारत के लिए आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पीपीई, एन-६५ मास्क और वेंटिलेटर बनाने के लिए किया गया, मार्च २०२० की तुलना में अब समर्पित आइसोलेशन बिस्तरों की संख्या में ३६.३ गुना वृध्दि और समर्पित आईसीयू बिस्तरों की संख्या २४.७ गुना से अधिक हो चुकी है। उस समय अपेक्षित मानकों के पीपीई का कोई स्वदेशी विनिर्माता नहीं था। अब हम इसका बड़े पैमाने पर निर्माण करने और साथ ही निर्यात करने में भी सक्षम हैं, मैं इस अवसर पर हमारे देशवासियों की ओर से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देती हूँ। जो व्यक्तिगत रूप से लगातार स्थिति पर निगरानी रखते हैं और हमें अपना नेतृत्व प्रदान करते हैं। ८. भारत सरकार ने इस संक्रमण को रोकने और इसे सीमित करने के लिए अनेक प्रक्रियाएँ शुरू की हैं, मैं रोजाना स्थिति की समीक्षा कर रही हूँ, माननीय प्रधानमंत्री ने स्वयं सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के साथ सहयोग करने के लिए बातचीत की हैं। कल्याण राज्य मंत्री ने ३ फरवरी २०२० से लेकर अब तक २० बार बैठके की हैं।





पुश्तकालय

कु. गुड़िया शुक्ला बी.ए.- प्रथम वर्ष

श्री बाल गंगाधर तिलकजी ने कहा था, ''मै नरक मैं भी उत्तम पुस्तकों का स्वागत करूँगा।" यह कथन पुस्तकालय के महत्त्व को सार्थक करता है। पुस्तकालय के महत्त्व को समझने से उसके अर्थ को समझ लेना आवश्यक है। पुस्तकालय किसे कहते है? पुस्तकालय उस जगह को कहते है - जहाँ हम कई विषयों पर कई भाषाओं में बहुत सी पुस्तकें पढ़ सकते हैं।

मनुष्य ज्ञान का प्यासा होता है। वह हमेशा कुछ न कुछ सीखने की, जानने की इच्छा रखता है। वह पुस्तकों से अपना ज्ञान बढ़ाता है। पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र है। वे दुख-सुख में हमारी साथी है। पुस्तकालय के सदस्य बनकर पुस्तकों को घर ले जाकर पढ़ सकते हैं। दुनियाँ में इतनी तरह की किताबें छपती हैं कि अमीर से अमीर भी उन सब को नहीं खरीद सकते। इस तरह पुस्तकालय एक बडा वरदान हैं।

पुस्तकालय कई प्रकार के होते है जैसे निजी पुस्तकालय, स्कूल कॉलेजों के पुस्तकालय, विश्वविद्यालय पुस्तकालय, सार्वजनिक पुस्तकालय चलते-फिरते पुस्तकालय आदि। निजी पुस्तकालय में अमीर लोग अपनी पसंद की पुस्तके खरीदकर रखते हैं। स्कूल और कॉलेजों के पुस्तकालयों में अनेक विद्यार्थी जाते हैं। विश्वविद्यालय पुस्तकालय के विद्यार्थियों के लिए है। उसमें लाखों रूपयों की किताबें होती हैं। ऊँची शिक्षावालों के लिए यह बहुत उपयोगी हैं।

सार्वजनिक पुस्तकालय सरकार द्वारा चलाये जाते हैं। उनमें कोई भी आदमी पुस्तकें लेकर पढ़ सकता है। जनता में शिक्षा का प्रचार बढ़ाने के लिए इनसे बढ़कर और कोई साधन नहीं हैं। गरीब से गरीब भी इन पुस्तकालय से लाभ उठा सकते हैं। गाँवों में रहनेवालों लोगों को चलते-फिरते पुस्तकालय के द्वारा किताब पढ़ने के लिए दी जाती हैं।

जीवन के विकास और आगे बढ़ने में पुस्तकालय का महत्वपूर्ण स्थान हैं। जीवन विकास के लिए हमें आवश्यकता हैं, अध्ययन की। मनुष्य जितना अध्ययन करता है वह उतना की विचारशील होता है और उतनी ही उन्नित करता हैं। अध्ययन करने के लिए दो स्थान होते है - विद्यालय और पुस्तकालय। विद्यालय में अध्ययन की यानी, पढ़ने की रूचि पैदा की जाती हैं। उस रूचि को पूरा करने का स्थान है पुस्तकालय। यहाँ अपने ज्ञान बढ़ाने के साथ भूतकाल का ज्ञान पाकर वर्तमान की

समस्याओं से परिचित होकर भविष्य का सुंदर निर्माण कर सकते हैं। जो ज्ञान हम पुस्तकालयों से प्राप्त कर सकते हैं वह शिक्षकों द्वारा नहीं मिल सकता। वे तो कवेल पथ प्रदर्शक होते हैं। वास्तविक ज्ञान तो पुस्तकालय से मिल सकता हैं वह हमें ज्ञान के भंडार मे ले जाता हैं किसी भी विषय का ज्ञान पुस्तकालय का सहारा लिए बिना नहीं मिल सकता। क्योंकि वहाँ एक ही विषय पर अनेकों प्रकार की किताबें पढ़ सकते हैं। इस तरह गरीब से गरीब भी उनमें पूरा लाभ उठा सकता हैं।

सिनेमा, खेल आदि मनोरंजन के साधनों में पुस्तकालय भी एक हैं। पुस्तकालय ज्ञान बढ़ाता है। इसमें मनुष्य को सुख-चैन मिलता हैं। पुस्तकालय से साहित्य की पुस्तकों को पढ़ते समय तो अपने दुख को भूल जाते है क्योंकि किसी लेखक की किसी पुस्तक को पढ़ते समय उसका हम पर प्रभाव पड़ता हैं। उदाहरण के लिए रामचिरतमानस पढ़ने से हमें आनंद के साथ-साथ कर्तव्य परायणता भातुप्रेम, निःस्वार्थता एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना आदि का पता चलता हैं। देश की प्रगति में पुस्तकालय का योगदान महत्त्वपूर्ण है । पुस्तकालय में अध्ययन से मानव में एक नई जागृति होती है। विभिन्न देशों को पुस्तके पढ़ने से हमें वहाँ की राज्य व्यवस्था, सामाजिक जीवन आदि का पता चलता हैं। आनंद के साथ-साथ कर्तव्य परायणता, भातृप्रेम, निस्वार्थता एक-दूसरे के प्रति त्याग की भावना आदि का पता चलता हैं। देश की प्रगति में पुस्तकालय का योगदान पुस्तकालय मे अध्ययन से मानव में कई नई जागृति होती हैं। भिन्न-भिन्न देशों की पुस्तकें पढ़ने से हमें वहाँ की राज्यव्यवस्था, सामाजिक जीवन आदि का पता चलता हैं। एक विद्वान का कहना है, वह देश मुर्दा है जहाँ साहित्य नही और वह साहित्य हमे पुस्तकालयों मे मिल सकता हैं। इस तरह देश की प्रगति में भी पुस्तकालय उपयोगी हैं। पुस्तकालय में सदाचार, समाज कल्याण की पुस्तकें होनी चाहिए साथही नागरिकों के चरित्र का निर्माण करने के लिए योग्य पुस्तकें भी रखनी चाहिए। पुस्तकालय की पुस्तके सबसे लिए है सबको उनका लाभ उठाना हैं। अतः हमें उन पुस्तकों को बिगाड़ना नहीं चाहिए जैसे चित्र काटना, पेज फाड़ना आदि। इस तरह पुस्तकालयों को सुचारू रूप से चलाने के लिए हमें ही सहयोग देना चाहिए।

पुस्तकें आपके आसपास की दुनिया की समझ देती हैं।

एक अच्छी किताब में चीजों की सोचने,

बात करने और विश्लेषण करने के

तरीके को बदलने की शक्ति होती है।



श्वतंत्रता संग्राम के अनसंग हीरो

कु. एकता मेश्राम बी.कॉम.- प्रथम वर्ष

स्वतंत्रता दिवस भारतीयों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिन है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत देश की आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने बहुत त्याग और बलिदान दिए। हमारे भारत देश को १५ अगस्त १६४७ को अंग्रेजो की गुलामी से आजादी मिली थी। बहुत सारे स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें से हम केवल कुछ ही नामों को जानते है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार वल्लभ भाई पटेल, चंद्रशेखर आजाद और कई प्रसिध्द स्वतंत्रता सेनानी थे।

लेकिन बहुत अनसंग हीरोज ऐसे भी थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। लेकिन इनके नाम गुमनाम हो गए। उनके नाम है बिरसा मुंडा, मातांगिनी हाजरा, वीर अली खान, अरूणा असफ अली, भीकाजी कामा, कमला देवी, हजरत महल, तारा रानी श्रीवास्तव और अन्य कई नाम।

किसी देश की स्वतंत्रता उसके नागरिकों पर निर्भर करती है। हर देश में कुछ बहादुर दिल होते है जो स्वेच्छा से अपने देशवासियों के लिए अपनी जान दे देते है। किसी भी देश को आजाद कराने में स्वतंत्रता सेनानी की अहम भूमिका होती है। भारत अंतहीन स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि है। कई ज्ञात है, कई अनसुने है, उन सभी के पास आजादी के लिए लड़ने का अपना तरीका है जैसे कुछ ने अहिंसा का रास्ता चुना है। जबिक कुछ हाथों मे पिस्टल और तलवार लेकर अपनी वीरता का परिचय देते है।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हमारे देश के कई सारे ऐसे युवा भी हैं जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों को भी कुर्बान कर दिया लेकिन हम लोग आज भी उन लोगों से परिचित नहीं है। भारत के ऐसे कई स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया लेकिन उनके नाम से आज भी हम लोग अनजान है।

हमारा देश भारत अंग्रेजो के अधीन था। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी आजादी के लिए अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ी। भारत के कुछ महत्वपूर्ण स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, भगत सिंह, लाल बहादुर शास्त्री, जवाहरलाल नेहरू और कई अन्य है। लेकिन कई ऐसे स्वतंत्रता सेनानी हैं जिनके बारे में शायद हमने नहीं सुना होगा। उनमें से अधिकांश ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अपने प्राणो की आहुति दे दी। हम उन्हें ''भारत के अनसंग हीरो'' कहते हैं।

उनका एकमात्र ध्यान स्वतंत्र भारत को देखना था। लेकिन इस देश के नागरिक के रूप में हमें उनमे से कुछ के बारे में पता होना चाहिए। यहां कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बताया गया है जिनके बारे में अपने शायद नहीं सुना होगा। ये गुमनाम नायक भी एक कारण हैं कि हम एक स्वतंत्र देश मे रहते हैं। हमें उनके बिलदानों का सम्मान करना चाहिए और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करते हुए सद्भाव और शांति से एक साथ रहने का लक्ष्य रखना चाहिए।

मातंगिनी हाजरा एक जुलूस के दौरान भारत छोड़ो आंदोलन और असहयोग आंदोलन का हिस्सा थी। वह भारतीय ध्वज के साथ आगे बढ़ती रही। वह वंदे मातरम् के नारे लगाती रही। 'वीर अली खान' वह भारत के शुरूवाती विद्रोहियों में से एक थे। वह १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा थे ओर उन १४ लोगों में शामिल थे जिन्हें स्वतंत्रता आंदोलन मे उनकी भूमिका के कारण मौत की सजा दी गई थी। उनके काम ने कई लोगों को प्रेरित किया लेकिन पीढियों बाद उनका नाम फीका पड़ गया।

'गैरीमेला सत्यनारायण' वह आंध्र के लोगों के लिए एक प्रेरणा थे, एक लेखन के रूप मे, उन्होंने आंध्र के लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन मे शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रभावशाली किवताएं और गीत लिखने के लिए अपने कौशल का इस्तेमाल किया। 'बेगम हजरत महल' वह १८५७ के भारतीय विद्रोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। अपने पित के निर्वासित होने के बाद, उन्होने अवध्य की प्रमाण संभाली और विद्रोह के दौरान लखनऊ वर भी अधिकार कर लिया। बाद मे बेगम हजरत को नेपाल जाना पड़ा जहां उनकी मौत हो गई।

'अरूणा आसफ अली' उनके बारे में बहुत कम लोगों ने सुना है, लेकिन जब वह ३३ वर्ष की थी, तब उसने कुछ प्रमुखता प्राप्त की जब उसके १६४२ में बॉम्बे में गॉवालिया टैक मैदान में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का झंडा फहराया। 'अल्लास्कर दत्ता' वे एक भारतीय क्रांतिकारी थे। प्रसिध्द अलीफर बम मामले में, और स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान। भारत की आजादी के ७५ वर्ष का जन्म मनाने के लिए गुमनाम नायकों के योगदान के उजागर करना हम सभी के लिए बहुत सम्मान की बात है। कुछ गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी है। अल्लास्क दत्ता-वर्ह एक भारतीय क्रांतिकारी थे। प्रसिध्द अलीफर बम मामले में, उल्लास्कर को २ मई १६०८ को गिरफ्तार कर लिया गया और १६०६ मे फांसी की सजा सुनाई गई। बाद में अपील पर, फैसले को जीवन के लिए परिवहन के लिए नम कर दिया गया और उन्हे अंडमान मे सेलुलर जेल भेज दिया गया।

'दुलारी बाला देवी' अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम के सबसे प्रमुख सदस्यों में से एक स्वतंत्रता और दोषी ठहराई जाने वाली पहली महिला फाइटर थी। 'सतीश चंद्रसामंत' एक भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन कार्यकर्ता और १६५२-७७ तक लोकसभा के सदस्य थे।

'ननीवाला देवी' एक स्वतंत्रता सेनानी थी। वह एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार से आती थी। उनकी शादी ग्यारह साल की थी और विधवा प्रंद्रह साल की थी। बहुत कम लोग जानते हैं कि वह एक अंडरवर एजेंट थीं और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई वालों की मदद करती थी। 'बीना दास' पश्चिम बंगाल की एक भारतीय क्रांतिकारी और राष्ट्रवादी थी। 'फिलन बिहारी दास' फिलन बिहार दास एक भारतीय क्रांतिकारी और अनुशीलन सिमती के संस्थापक अध्यक्ष थे। 'जुदीरामबोस' वह भारत के ब्रिटिश शासन का विरोध करने वाले सबसे युवा क्रांतिकारियों में से एक थे।







स्वतंत्रता संथ्राम के दौरान भारत के गुमनाम नायक

कु. किरण तुरूकमाने बी.ए.- द्वितीय वर्ष

भारत के कुछ महत्वपूर्ण स्वतंत्रता सेनानी महात्मा गांधी, भगत सिंह, लाल बहादुर शास्त्री, जवाहरलाल नेहरू और कई अन्य है। लेकिन कई ऐसे स्वतंत्रता सेनानी है जिनके बारे में शायद हमने नहीं सुना होगा। उनमें से अधिकांश ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अपने प्राणों की आहुति दे दी। हम उन्हें ''भारत के अनसंग हीरोज'' कहते है।

हमारा देश, भारत अंग्रेजो के अधीन था। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी आजादी के लिए अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनका एकमात्र ध्यान स्वतंत्र भारत को देखना था। लेकिन इस देश के नागरिक के रूप में हमें उनमें से कुछ के बारे में पता होना चाहिए। यहाँ कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बताया गया है जिनके बारे में शायद हमने नहीं सुना होगा। ये गुमनाम नायक भी एक कारण है कि हम एक स्वतंत्र देश में रहते है।

वे कुछ नायक इस प्रकार है। जैसे मातंगिनी हाजरा, हजरत महल, सेनापित बापट, अरूणा आसफ अली, भीकाजी कामा, तारा रानी, पीर अली खान, कमला देवी, गरिमेला, तिरूपुर कुमारन, बिरसा मुंडा, दुर्गाबाई आदि थे।

मातंगिनी हाजरा :- हाजरा एक जुलूस के दौरान भारत छोड़ो आंदोलन और असहयोग आंदोलन का हिस्सा थीं। वह भारतीय ध्वज के साथ आगे बढ़ती रही। वह 'वंदे मातरम् के नारे लगाती रही। बेगम हजरत अली :- वह १८५७ के भारतीय विद्रोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। अपने पित के निर्वासित होने के बाद, उन्होने अवध की कमान संभाली और विद्रोह के दौरान लखनऊ पर भी अधिकार कर लिया। बाद में बेगम हजरत को नेपाल जाना पड़ा। जहाँ उनकी मौत हो गई। वीर अली खान :- वह भारत के शुरूआती विद्रोहियों में से एक थे। वह १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा थे और उन १४ लोगों में शामिल थे जिन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी काम ने कई लोगों

को प्रेरित किया लेकिन पीढ़ियों बाद उनका नाम फीका पड़ गया।

मैरीमेला सत्यनारायण :- वह आंध्र के लोगों के लिए एक प्रेरणा थे, एक लेखक के रूप में, उन्होंने आंध्र के लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रभावशाली किवताएं और गीत लिखने के लिए अपने कौशल का इस्तेमाल किया।

अरूणा आसफ अली :- उनके बारे में बहुत कम लोगो ने सुना हैं, लेकिन जब वह ३३ वर्ष की थी, तब उसने कुछ प्रमुखता प्राप्त की जब उनसे १६४२ में बॉम्बे में गोवालिया टैंक मैदान में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का झंडा फहराया।

तारा रानी :- तारा रानी का पूरा नाम तारा रानी श्रीवास्तव था। वह एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थी और महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन का हिस्सा थीं। वह और उनके पित सीवान में पुलिस थाने की ओर १६४२ एक मार्च का नेतृत्व कर रहे थे, जब उन्हें पुलिस ने गोली मार दी।

भीकाजी कामा :- लोगों ने सड़कों और इमारतों पर उनका नाम सुना होगा लेकिन बहुत कम लोग जानते है कि वह कौन थीं और उन्होने भारत के लिए क्या किया, कामा न केवल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थे बल्क आप में एक परिस्थितिकीविद् भी थी जो लैगिक समानता के लिए खड़ी थी उसने अपना अधिकांश निजी सामान एक अनाथ चार लड़िकयों को दान कर दिया।

सबसे प्रसिध्द स्वतंत्रता सेनानियों निसंदेह महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, मंगल पांडे ओर इसीतरह लेकिन ऐसे अन्य भी है जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया लेकिन उनके नाम अंधेरे में फीके पड़ गए। कई स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने अत्याचारी ब्रिटिश शासकों की नजर से नजर मिलाई और एक स्वतंत्र भारत के नारे को बढ़ाने की हिम्मत की।



विशट कोहली के क्रिकेटर बनने में कितनाइयाँ

कु. जुबिया शेख बी.कॉम.- प्रथम वर्ष



विराट कोहली का जन्म ५ नवंबर १६८८ को दिल्ली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था, उसके पिता प्रेम कोहली एक अपराधिक वकील और माता सरोज कोहली एक गृहिणी है। उन्हें एक बड़ा भाई विकास और एक बड़ी बहन भावना भी है। उनके परिवार के अनुसार जब कोहली ३ साल के थे तब उन्होंने क्रिकेट बैट हाथ में ली थी और अपने पिता को बॉलिंग करने कहा था, कोहली उत्तम नगर में बड़े हुए और विशाल भारती पब्लिक स्कूल से शिक्षा ग्रहण की। १६६८ में पश्चिमी दिल्ली क्रिकेट अकादमी बनी और कोहली ६ साल की आयु में ही उसमें शामिल हुए। कोहली के पिता ने तब कोहली की अकादमी में शामिल किया जब उनके पड़ोसी ने उनसे कहा की, ''विराट को गल्ली क्रिकेट में समय व्यर्थ नहीं करना

चाहिए बल्कि उसे किसी अकादमी में व्यावसायिक रूप से क्रिकेट सीखना चाहिए। "राजीवकुमार शर्मा के हाथों कोहली ने प्रशिक्षण लिया और सुमित डोगरा अकादमी में मैंच खेला। ६ वी कक्षा में उन्हें सिवएर कान्वेंट में डाला गया तािक उन्हें क्रिकेट प्रशिक्षण में मदद मिल सके। खेलो के साथ ही कोहली पढ़ाई में भी अच्छे थे, उनके शिक्षक उन्हें, "एक होनहार और बुध्दिमान बच्चा बताते हैं।"

जुलाई २००६ में विराट कोहली को भारत की Under 19 cricket खिलाड़ियों में चुन लिया गया और उनका पहला विदेशों दूर इंग्लैंड था। १८ दिसंबर २००६ को ब्रेन स्ट्रोक की वजह से काफी दिनों तक आराम करने के बाद उनके पिता की मृत्यु हो गयी। अपने प्रारंभिक जीवन को याद करते हुए कोहली एक साक्षात्कार में बताते है की, "मैंने अपने जीवन में बहुत कुछ देखा। मैंने युवा दिनों में ही अपने पिता को खो दिया, जिससे पारिवारिक व्यापार भी डगमगा गया था, इस वजह से मुझे किराये के रूप में भी रहना पड़ा।

करियर की शुरूआत – कोहली सुर्खियों में आए जब वे अपने पिता की मृत्यु के दिन कर्नाटक के खिलाफ राणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के लिए खेल रहे थे। कोहली मलेशिया में आयोजित २००८ U/19 क्रिकेट विश्व कप में विजयी भारतीय टीम के कप्तान थे। नवंबर पर बल्लेबाजी करते हुए, उन्होंने ८७ की औसत से ६ मैचों में २३५ रन बनाये, जिससे वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक भी शामिल है। टुर्नामेंट के दौरान कई सामारिक गेंदबाजी परिवर्तन करने के लिए उनकी सराहना की गई थी। वे अपना हर मैच गंभीरता से लिया करते थे।

9८ दिसबंर २००६ को ब्रेन स्ट्रोक की वजह से विराह के पिता की मृत्यु हो गई। पिताजी की मृत्यु के बाद उन्हें बहुत सी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।







शाक्षारता जरूरी है



कु. खुशी तुरूकमाने बी.कॉम. - प्रथम वर्ष

साक्षरता जरूरी है, स्वयं से स्वयं की पहचान के लिए।

साक्षरता जरूरी है, विचारों के आदान, प्रदान के लिए।

साक्षरता जरूरी है, स्वयं के कर्तव्यो और अधिकारों के भाव के लिए।

साक्षरता जरूरी है, अपनी सभ्यता के मान के लिए।

साक्षरता जरूरी है, अपनी संस्कृति के ज्ञान के लिए।

साक्षरता जरूरी है, एक नए युग के निर्माण के लिए।

साक्षरता जरूरी है, विश्व कल्याण के लिए।





बेटी

कु. कल्पना चौरसिया एम.ए. - अंतिम वर्ष

जब-जब जन्म लेती है बेटी, खुशियाँ साथ लाती है बेटी। ईश्वर की सौगात है बेटी, सुबह की पहली किरण है बेटी। तारों की शीतल छाया है बेटी

आंगन की चिड़िया है बेटी।

त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी, नये-नये रिश्ते बनाती है बेटी।

जिस घर जाए, उजाला लाती है बेटी, बार-बार याद आती है बेटी।

> बेटी की कीमत उनसे पूछो, जिनके पास नहीं है बेटी।









पुं नाश

कु. निकीता लांजेवार बी.ए. - प्रथम वर्ष

इस पुरूष प्रधान समाज में ऐ नारी पाने को अपने अधिकार स्वयं ही जतन से तुमको स्वयं के लिए लड़ना होगा।

तूफानों में भी तुमको अपनी राह बनानी होगी त्याग बंधनों को तुमको आगे कदम बढाना होगा।

अपनी ममतामयी छवि छोड़कर गुलामी की जंजीर तोड़कर लेकर रणचंडी का रूप स्वयं पर अत्याचार को दबाना होगा।

अपने ही अस्तित्व के लिए तुमको देना होगा स्वयं को एक नया अवतार, बहुत बन चुकी तुम बेचारी अब तुमको काली बन जाना होगा।



देने को स्वयं को एक नहीं पहचान और पाने को कामियाबी का आसमान पंख लगाकर सपनों को अब तुमको उड़ जाना होगा।

अपने ही अस्तित्व के लिए देना होगा स्वयं को नया-नया अवतार बहुत बन चुकी तुम बेचारी अब तुमको काली बन जाना होगा।

देने को स्वयं को एक नयी पहचान और पाने को कामियाबी का आसमान पंख लगाकर सपनों को अब तुमको उड़ जाना होगा।

बनना होगा तुमको शक्तिशाली रखने को अपना मान और सम्मान गौरवशाली जीवन जीने के लिए स्वयं ही बदल जाना होगा।



पूरा करना अब अपना ख्वाब

कु. प्रीति कोटांगले बी.ए. - प्रथम वर्ष

पूरा करना होगा अब, छोटा सा अपना ख्वाब, माना मुश्किलें बेहिसाब है, फिर भी मन में है विश्वास। मिलेंगी वो सारी खुशियां मुझको, जो मेरे लिए है खास।

नही बंधना मुझको रीति-रिवाजों की जंजीरों में। लिखना है मुझको तो कामयाबी बस,

अपनी किस्मत की लकीरों से। पंखो को फैलाकर अपने मुझे नापना पूरा अब आसमान है।

पूरा करना मुझको अब,
छोटा-सा अपना ख्वाब
माना मुश्किलें बेहिसाब है,
फिर भी मन में है विश्वास।
मिलेगी वो सारी खुशियाँ मुझको,
जो मेरे लिए है खास।

मुझको तो बस इतना है कहना,
अब और नहीं कुछ भी है सहना।
नहीं चाहिए मुझे कोई गहना,
मुझको तो बस अपने दम पर है रहना
करके पूरे अपने सपने
रचना एक नया इतिहास है।

पूरा करना मुझको अब, छोटा-सा अपना ख्वाब, माना मुश्किलों बेहिसाब है, फिर भी मन में है विश्वास। मिलेंगी वो सारी खुशियाँ मुझको, जो मेरे लिए है खास।

हर उस बेड़ी को तोड़कर, हर परीक्षा को पार कर, अपने हर डर का नाश कर नई मंजिलों से नाता जोड़कर जीवन में अपने भरना उमंग और उल्लास है। पूरा करना अब मुझे अपना छोटा-सा ख्वाब है।





बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं

कु. दीपिका सिडाम बी.ए. - द्वितीय वर्ष

मत मारो तुम कोख में इसको इसे सुंदर जग में आने दो, छोड़ो तुम अपनी सोच पुरानी एक माँ को खुशी मनाने दो, बेटी के आने पर अब तुम घी के दिये जलाओ, आज ये संदेश पूरे जग मे फैलाओ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

लक्ष्मी का कोई रूप कहे, कोई कहता दुर्गा काली फिर क्यों न कोई चाहे घर में एक बिटिया प्यारी-प्यारी, धन्य ये दे जीवन सबका जो तुम इस पर, थार लुटाओ आज ये संदेश पूरे जग मे फैलाओ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

हाथों में राखी ये बांधे घर में बहु बन आये, बनकर बेटी अठखेलियाँ करे माँ बनकर समझाये, इसका तुम सम्मान करो और सबको यही सीखाओ, आज ये संदेश पूरे जग में फैलाओ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

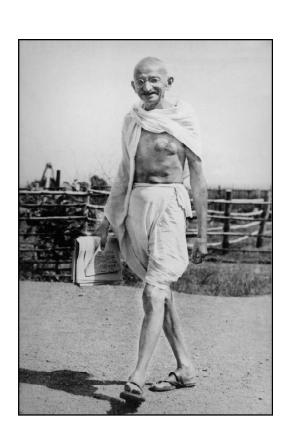
बिन बेटी के सोचो ये दुनिया कैसी होगी, न प्यार ही होगा माँ का न बहनो की राखी होगी, जिस कदम से रूक जाये दुनिया वो कभी भी न उठाओ, आज ये संदेश पूरे जग मे फैलाओ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

बदलो ये आदत है जो अब भी बदली जाती, बेटे को बाँटो दौलत सारी बेटी है दर्द बाँटाती, मत फर्ज से पीछे भागो अपनी आवाज उठाओ, अब ये संदेश पूर जग में फैलाओ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।



बापू

कु. प्राची जांभुळकर बी.ए. - द्वितीय वर्ष



प्यारे बापू अच्छे बापू सब झूठों में सच्चे बापू।

तुमको मालूम
ये सब जितने
कूड़ा-करकट खेल रहे हैं
ये सब तुमको झेल रहे हैं
ये वाहं तो धर्म बेच दें
देश बेच दें
तुमको भी विदेश भेज दें।

इनको कुछ भी पड़ी नहीं है ये तो सारे पैसे-वैसे जातिवाद पर नाच रहे हैं लिए पोथियाँ संविधान की झूठ-मूठ का बाँच रहे हैं।

गजब देश है
गजब लोग है
हर चौराहे
झाड़-झाडू खेल रहे है
दुच्ची वाली लाठी थामे
सत्य, अहिंसा पेल रहे हैं।

रोड टूटी है
गड्डे-गड्डे
बहुत भीड़ है
बहुत जाम है
सबके अपने ताम-झाम है
लौजिक रीजनिंग लॉक बंद है
अल्लाह-अल्लाह, राम-राम है।

सब अच्छा है
सब सच्चा है
इनकी छोड़ो अपनी बोलो
कहाँ आजकल रहे हुए हो
किन बातों पर जमे हुए हो।

क्या कहते हो मौन हारे हो बापू तुम भी बहुत अच्छे हो

बोलो बापू प्यारे बापू अच्छे बापू सब झूठो में सच्चे बापू।





शंपादन - डॉ. बबीता धूल

<u>गद्य विभाग</u>		
9)	झाडाचे महत्व	कु. शेफाली नंदेश्वर
ર)	दैनंदिन जिवनात संगीताचे महत्व	कु. प्रियांशी चौधरी
રૂ)	आहार आणि रोग प्रतिकार शक्ती	कु. खुशी पुल्लेवार
8)	छत्रपती शाहु महाराज का योगदान	कु. कंचन कुरसांगे
9) २) ३)	पद्य विभाग आई माझा मित्र राधा	कु. सोनाली बडोले कु. कल्पना चौरसिया कु. करिश्मा गौतम





घडाचे महत्व

कु. शेफाली नंदेश्वर बी.ए. - अंतिम वर्ष

मानवाचे जीवन पूर्णपणे या निसर्गावर अवलंबून आहे आणि झाडे ही या निसर्गाचा एक महत्वाचा घटक आहे. पृथ्वीवरील वातावरण आणि निसर्गाचे ऋतू चक्र झाडांमुळेच संतुलित राहते आणि मानवी जीवनही झाडांमुळेच शक्य आहे.

- 9. झाडांना मानवी आयुष्यात खूप महत्व आहे.
- २. त्यांच्याकडून आपणांस ऑक्सीजन मिळते.
- ३. झाडे मानवी आयुष्यासाठी खूप उपयोगी आहे.
- ४. त्यांच्यापासुन अनेक औषधी बनविता येतात.
- ५. आपल्या घरातील लाकड़ी वस्तू त्यांच्या पासूनच बनवल्या जातात.
- ६. झाडाच्या वाळलेल्या फांदया इंधन म्हणून वापरता येतात.
- ७. झाड आणि वनस्पतीपासुन आपणास फळे आणि भाज्या मिळतात.
- ८. त्यांच्यापासुन आपणास सुंगधी फुले मिळतात.
- ६. झाडे आपणास सावली देतात.
- १०. आपण जास्तीत जास्त झाडे लावली पाहीजेत.

मानवाचे जीवन पूर्णपणे या निसर्गाचा एक महत्वाचा घटक आहे. पृथ्वीवरील वातावरण आणि मानवी जीवनहीं झाडांमुळेच संतुलित राहते आणि झाडांपासून आपल्याला ऑक्सीजन मिळते. तसेच जगण्यासाठी लागणारे अन्न आपल्याला झाडांमुळेच प्राप्त होते. झाडे सूर्यप्रकाशातून उर्जा घेऊन हे अन्न तयार करतात. तसेच काही झाडांपासून औषधी तयार केल्या जातात. झाडांपासून मिळणाऱ्या लाकडापासून अनेक जीवनापयोगी वस्तु बनवल्या जातात. तसेच वहया पुस्तकांसाठी लागणारा कागद देखील झाडांपासूनच बनतो. अशाप्रकारे झाडे ही मानवाला सर्व क्षेत्रात निस्वार्थपणे मदत करतात.



परंतु मानवाने मात्र स्वतःच्या स्वार्थ्यासाठी याच झाडांना हानी पोहोचवण्यास सुरुवात केली आहे. जंगलतोड करून तो इमारती उभ्या करू लागला आहे आणि त्यामुळे निसर्गाला हानी पोहचत आहे आणि मानवाच्या व जीवनाला धोका निर्माण झाला आहे. यावर उपाय एकच आहे तो म्हणजे आपण झाडांनी आपल्यावर केलेल्या उपकाराची पतरफेड म्हणून कृतज्ञतेने जास्तीत जास्त वृक्षरोपण केले पाहीजे.

- वृक्षाचे मित्र व्हा, त्यांची लागवड मोठया प्रमाणात करा.
- इतिहास अभ्यासात बसण्यापेक्षा इतिहास घडविणे अधिक चांगले.
- उच्चारावक्तन विद्पता,आवाजावकत नमता व वर्तमानवक्तन शील समजते.
- जीवनात प्रत्येक गोष्टीच्या आपापल्या ठवलेल्या वेळा असतात.
- माणसाने कितीही काम केले तरी त्यामुळे तो काही मरणार नाही.
 - पंडित जवाह्यलाल नेहक्त



दैनंदिन जिवनात संगीताचे महत्व

कु. प्रियांशी चौधरी बी.ए. - प्रथम वर्ष

प्रत्येक व्यक्तिच्या जिवनामध्ये संगीताचे ख्रुप महत्वाची भूमिका आहे. संस्कृतीचा फार मोटा वारसा घेवून आपण जन्म झाला आहे. भारतीय संस्कृती ही जगातील एक उच्च संस्कृति मानली जाते आणि अशा या आपल्या संस्कृतीमध्ये संगीताला एक अनन्य साधारण महत्वाचे स्थान आहे. युग निर्माता मानवाच्या जन्मापासून मृत्यु झाल्यानंतरही सर्व वातावरण संगीतमय असल्याचे दिसते.

''क्षती, जल, पावक, गगन, समीर पंच रचित यह अधम शरीरा।''

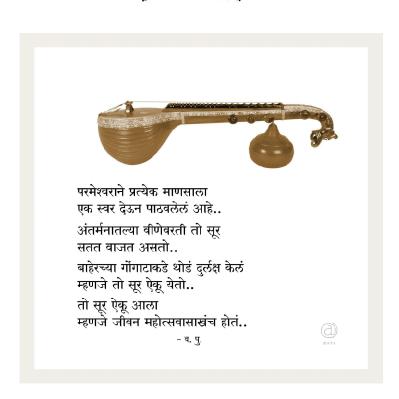
म्हणजेच पंचतत्वापासूनच मानवाची निर्मिती होते आणि हे तत्व म्हणजेच जीवनधार होय. तद्वतय या पंचतत्वात संगीत हे अधिक प्रमाणात समाविष्ट आहे. मानवाची विविधांगी असणारी मनोवृत्ती ही संगीत श्रावणाने समृध्द होत असते तसे त्याच्या मनाचे रंजनही संगीताने होते. गायक वादकाच्या कुशलतेनुसार सादरीकरणातून सौंदर्यपूर्ण रचना हया मानवी विविध परिणाम करताना आपणास दिसतात. आपल्या दुःखद प्रसंगी आपल्या अश्रुंना वाटा मोकळया करून देतो तसाच आनंदाच्या क्षणी त्याची मनोवस्ये ही आनंद व्यक्त करण्याचीच असते. तसेच संगीताचे श्रवण मानवताच्या विकासासाठी महत्वाचे ठरते. असे गायन असते व वादयवादन असो याने माणूस जर थोडा विचालित मनस्थिती मध्ये असेल तर सुद्धा या संगीत श्रवणाने त्याला मनःशांती मिळत असते व तो सर्व ताणतणाव विसरून हरवून जातो. त्यामुळे संगीताच्या आरोग्यावर नेहमी सकारात्मक प्रभाव होतो.

मानव हा सृजनशील प्राणी आहे. या भौतिक जगताच्या नक्ष्वरतेपासून, सुखसाधनांपासून अलिप्तता प्राप्त करून देण्याकडे मानवाला संगीत प्रवाही करत असते. ज्या प्रमाणे एखादया मैफीलीत बसल्यानंतर संगीत श्रवणानंदाने आपण कुठे आहोत, वेळेचे भान, ताणतनाव इत्यादी बाबींचा काही क्षण विसर पडतो तो केवळ संगीता श्रवणानंदाने संगीतामुळेच आपल्या मानिसक अवस्थेशी विचारांची घालमेल असणाऱ्या स्थितीपासून संगीतच आपल्या मनाला उत्साही तसेच प्रफुल्लित बनत असते असे

महान कार्य ही आपल्या संगीताद्वारेच घडत असते. मानवी शरीरात असणारी पाच ज्ञानेंद्रिये मानवाच्या कृतिमधून मानवाच्या प्रत्यक्ष विकास किंवा न्हास घडवित असतात. त्यापैकी मनाला सर्व इंद्रियांचा राजा मानल्या जाते. ज्या ज्ञानांची प्राप्ती आपल्याला होत असते त्याचे एक कल्पना चित्र आपले मनाद्वारे तयार होवून आपल्या ज्ञानसाठयात संग्रहीत केल्या जाते. त्यामुळे आपली कार्यक्षमता निश्चित वाढीस लावून आपल्या मनाद्वारे शरीराला योग्य चालना मिळते.

संगीतामध्ये असणारी अमर्याद शक्ति व आनंद यांचा उपयोग मानवाला घेता यावा. सृजनाचा साक्षात्कार संगीतामुळे घडत असतो. मानवाला अंतरंगी सुंदर करण्याचे काम संगीत करीत असते. याचा प्रभाव केवळ मानवावर नसून सकल चराचरावर आहे. यामुळे निश्चितच मानव विकासासाठीच नव्हे सकल सृष्टीला नवसंजिवनी देणारे ठरणारे संगीताचे योगदान हे निश्चितच शब्दांद्वारे स्पष्ट न करता येण्यासारखेच आहे.

د کین گیکن





आहार आणि रोग प्रतिकारशक्ती

कु. खुशी पुल्लेवार बी.ए. - प्रथम वर्ष

माणसाच्या आयुष्यात महत्वाच्या तीन गोष्टी आहेत. सर्वप्रथम देश मग त्याचे आरोग्य आणि तिसरे चिरत्र या तीनही गोष्टी सांभाळायला कष्ट करावे लागतात. आरोग्य म्हणजे मनुष्याच्या शारीरिक, मानिसक, सामाजिक आणि आध्यात्मिक स्वास्थ्याची पिरसीमा केवळ रोगांचा अभाव नव्हे. शारीरिक आणि मानिसक स्वास्थ्यासाठी केवळ योग्य आहार, योग्य विहार, योग्य आचार आणि उत्तम विचार आवश्यक आहे.

अन्न आणि आहार तसे जुनेच पण अत्यंत महत्वाचे विषय आहेत. म्हणूनच सुदृढ़, निरोगी राहण्यासाठी काय खावे, िकती खावे, केव्हा खावे, कोणी िकती खावे, असे असंख्य प्रश्न आपल्यापुढे उमे राहतात. अन्न हे फार प्रभावशाली अस्त्र निसर्गाने आपल्या हाती दिले आहे. आपल्या शरीराचे संवर्धन आणि संरक्षण करण्यासाठी या पूर्णब्रहनाचा उपयोग होतो. तसेच शरीरावर आक्रमण करण्याच्या जीव जंतूचा संहारही यांच्याच सहाय्याने करता येतो. म्हणजेच रोगप्रतिकारशिक्त कार्यरत राहाते.

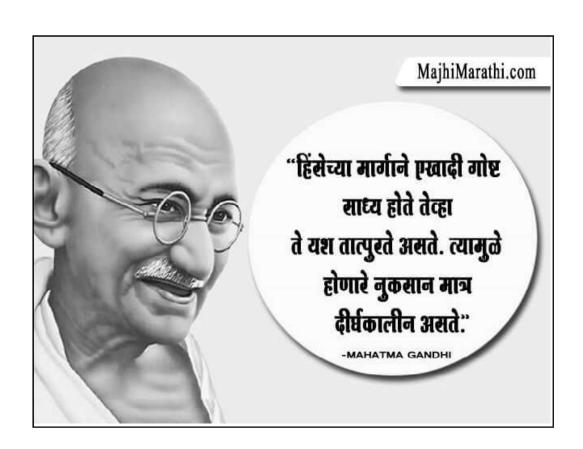
अन्नामुळे जीवन घडते तर पोषक अन्नामुळे उत्तम आणि सर्वाचीने स्वस्थ्य असे मानवी जीवन घडते. तुम्ही खाता त्याप्रमाणे तुमचे व्यक्तित्व घडते. तुम्ही काय खाता, यापेक्षा तुम्ही काय खात नाही, हे महत्वाचे ठरते. आईच्या शरीरात आईच्या अन्नातून शोषून घेतलेल्या घटकांवर गर्भ पोसत असतो. आईच्या आहारातून अन्नघटकांची कमरता निर्माण झाली तर अकाली प्रसूती, जन्मतः कमी वजनाचे अशक्त मूल, रोग प्रतिकाराशक्तीचा अभाव आणि मूल दगावणे इत्यादी प्रकार संभवतात. कारण अन्न तारी अन्न मारी, अन्न नाचाचा विकारी हे अन्न आपण का सेवन करतो? तर उर्जा मिळविण्यासाठी वाढीसाठी, झालेली झीज भरून काढण्यासाठी, निर्माण होण्यासाठी तसेच अन्न सेवनाने मनाला आनंद मिळण्यासाठीही.

या करता शरीराच्या काही किमान अपेक्षा असतात. पेशींची भूक भागावी, पाण्याची गरज पूर्ण व्हावी, थोडी विश्रांतीही मिळावी, झीज करून काढण्यासाठी वेळ आणि ऐवज मिळावा. जोडीला सतत प्राणवायूचा पुरवठा होत राहणे गरजेचे असते म्हणजेच काही खास योजना करण्यासाठी याची गरज भासते नुसते हेल्थी फ्रूडस मध्ये ही गरज भागत नाही यासाठी खास विशेष अशा अन्नघटकांचा सोय करावी लागते.

आजच्या स्पर्धे च्या ताणतणावां च्या आणि प्रदूषणाच्या प्रभाव आत्मविश्वासाने, उत्साहाने, आगेकूच करायची असेल तर शरीर निरोगी ठेवावे लागेल. आहार संतुलित हवा किमान ४० अन्नघटक आहारात असावेत. धान्य, डाळी, भाज्या, फळे, दूध, दही, ताक, तेल, तुपापासुन ते मिळतील अन्न खातांना ते फक्त पोट भरणारे असू नये तर शरीर, मन, बुध्दी हे सर्व पोसणारे हवे. वैद्यकशास्त्रात नवी ऑपरेशन नवी मशीन्स, नवी औषधे आलीत, अद्ययावत हॉस्पीटल नवी मशीन्स, नवी औषधे आलीत. अद्ययावत हॉस्पीटल बांधली गेलीत, पण या गराडयात सामान्यांना रोग होऊच नये म्हणून काय खवरदारी दयावी, याचे योग्य ज्ञान दिले जाते अशी एकही जागा नाही. मूळात शरीराची रोग प्रतिकारशक्ती उत्तम असली आणि ती तशीच सतत ठेवली तरच आरोग्याचे अनेक प्रश्न सुटू शकतातः रोगप्रतिकारशक्ती वाढण्यासाठी मुख्यत्वे पोषकतत्वांची गरज असते. भरपूर भाज्या, फळे, अंकुरित द्रिदल, दूध, दही, ताक यातून ती पूर्ण होऊ शकते. प्रदूषणामुळे साथीचे तसेच पेशींचा ऱ्हास होणारे अनेक रोग उद्म शकतात. रोगाची सुरूवात होते त्या आधी बराच काळ लोटलेला असतो. रोग कधी एकाएकी किंवा एका रात्रीत होत नाही. या रोगांचे प्राथमिक कारण म्हणजे अन्नघटकांची कमतरता. सुयोग्य आहारात धान्ये, डाळी, भाज्या, फळे, दूध, दही, ताक, तूप हया सर्व गोष्टी दर २४ तासाला घ्यायला हव्या. दिवसभरातून त्या विभागातून घ्याव्यात. रात्री चौरस आहार तर सकाळी, संध्याकाळी हलका नाश्ता, दूध असणे महत्वाचे हे सर्व घेऊनही अन्नघटकांची कमतरता होतेच. प्रत्येकाची रचना, मानसिक ताणतणाव, हवेतील प्रदूषण, आवाजाचे प्रदूषण, नोकरीमुळे होणारे त्रास, तसेच ताजे अन्न न मिळणे, ताजा भाजीपाला फळे, दुध न मिळणे, रिफाइण्ड वस्तूंचा जास्त वापर या सर्वामुळे अन्नघटकांची कमतरता होते शरीराचा व्यापार सुरळीत चालण्यासाठी ४०-४५ अन्नघटक रोज लागतात हे सिध्द झाले आहे. दिवसभरात विभागूनच शरीराचे त्यापार सुरळीत चालण्यासाठी वेगवेगळया यंत्रणा काम करतात. रोग प्रतिकारशक्तीची यंत्रणा फक्त

वेगळया पध्दतीने काम करते. हा प्रतिभार केवळ जीवजंतूच्या संदर्भातच नसतो. शरीराच्या सुरळीत व्यापारामध्ये अडथळे आणणाऱ्या घटक शरीरात तयार होतात त्यांचाही समाचार रोग प्रतिकारशक्ती यंत्रणा घेते अशा पध्दतीने प्रतिकार करताना वास्तविक कर्मरोगासारखं अनैसर्गिक वाढ थांबविण्याची नैसर्गिक क्षमताही या रोगप्रतिकारशक्तीमध्ये असते. यात बोनमॅरो, थायमसग्रंथी, स्लीन, लिम्फ ग्रंथी यांचा समावेश असतो याखेरीज शाळेत डोळयांच्या अश्रूत आणि रक्तात असणारे रासायनिक स्त्राव यांचाही या यंत्रणेत सामावेश होतो. तसेच त्वचा अंतःत्वाचा आणि पांढरे रक्तकण हे मुख्यत्वे कार्यरत असतात.

د کی گیکن



छत्रपती शाहू महाराज

कु. कंचन कुरसांगे बी.ए. - प्रथम वर्ष

एकोणीसाव्या शतकाच्या अखेरीस म्हणजे इ.स. १८६४ मध्ये कोल्हापूरला लाभलेला हा राजा अगदी जागावेगळा होता. त्यांनी आपल्या कारकीर्दीत क्षण न् क्षण वेचला तो लोकांसाठी – आपल्या प्रजेसाठी, म्हणून तर त्यांचा उल्लेख करतात – 'लोकराजा छत्रपती शाहू महाराज!'

छत्रपती शाहू महाराज यांचा जन्म २६ जुलै १६७४ रोजी झाला. इ.स. १८६४ साली म्हणजे वयाच्या केवळ विसाव्या वर्षी त्यांनी संस्थानाच्या कारभाराची सूत्रे हाती घेतली. तेव्हापासून त्यांच्या जीवनाचा, कार्याचा हेतू उद्देश एकच होता आणि तो म्हणजे समाज परिवर्तन घडवणे. सामाजिक समतेसाठी, मानवी प्रतिष्ठेसाठी आणि गरिबांना विकासाची समान संधी मिळावी यासाठी शाहू महाराज यांनी हयातभर प्रयत्न केला.

राजा असूनही त्यांनी वैभवाचा हव्यास धरला नाही. महाराजांचा बंगला असून महाराज सोनतळी कॅम्पमधील एका पत्र्याच्या शेडवजा घरात राहत. त्या घरात लाकडी बाजेवर एक प्रचंड मोठी गावी आणि घोंगडी हा या राजाचा बिछाना. समाजातील जो वर्ग नाडला-पिडला गेला होता त्यांना समाजव्यवहारात त्यांचा हिस्सा मिळावा म्हणून राजे शाहू महाराज झटले त्यासाठी त्यांनी आपल्या संस्थानात अनेक क्रांतिकारण निर्णय घेतले. शिवाय गरीब लोकांच्या हितासाठी जे हुकूम, आदेश ते काढत, त्याची अंमलबजावणी होते की नाही, हे ते स्वतः जातीने तपासत. बहुजन समाजाची सर्वांगीण प्रगती व्हायला हवी असेल, तर त्यांच्यात शिक्षणाचा प्रसार झाला पाहिजे, हे राजांनी ओळखले होते. म्हणून राजांनी सोनतळी कॅम्पवर भटक्या-विमुक्तांचया मुलांसाठी पहिली शाळा काढली. हे भटके लोक स्थिर व्हावे म्हणून या राजाने आपल्या राज्यात विहिरी खणणे, घकुले बांधणे अशी अनेक कामे सुरू केली. खाजगीतल्या पहाऱ्यांचे काम पारध्यांवर सोपवले. प्रेमाने जग जिंकता येते, असा या राजाचा विश्वास होता.

बहुजन समाजात शिक्षण प्रसार करण्याचे महत्वपूर्ण काम त्यांनी केले. संस्थानातील सर्व मुलांना प्राथमिक शिक्षण मोफत दिले. स्त्री शिक्षणासाठी देखील ते नेहमी आग्रही होते. जातीभेद आणि अस्पृश्यता नष्ट करण्यासाठी त्यांनी आंतरजातीय विवाहाला मान्यता दिली. अस्पृश्यांना वेगळया शाळा भरवणे बंद केले.

9८६६ साली पडलेला दुष्काळ आणि त्यानंतर आलेली प्लेगची साथ, तशा संकटसमयी शाहू महाराजांनी दुष्काळी कामे, स्वस्त धान्य दुकाने, निराधार आश्रमाची स्थापना केली. त्यांनी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर यांच्या उच्च शिक्षणासाठी आणि मूकनायक वृत्तपत्रासाठी सहाकार्य केले. शाहुपुरी व्यापारपेठ, शेतकी तंत्रज्ञानाच्या संशोधनासाठी 'किंग एडवर्ड ॲग्रिकल्चरल इस्टिट्यूट' ची स्थापना, शेतकऱ्यांची सहकारी संस्था, राधानगरी धरणाची उभारणी, अशा समाजोपयोगी कामातून शेतकऱ्यांसाठी विशेष उपक्रम राबवले. अशा सर्व कामांतून त्यांचा कृषी विकासातील दृष्टिकोन दिसून येतो.

शाहू महाराजांना 'राजर्षी' ही उपाधी कानपूरच्या कुर्मी क्षत्रिय समाजाने दिली. त्यांनी आपल्या जीवनकार्यात समाजातील सर्व घटकांना समाविष्ट करून घेतले. आपल्या अधिकारांचा फायदा बहुजन समाजाला मिळवून दिला. त्यांच्या न्यायासाठी आणि शिक्षणासाठी ते नेहमी झटले.

शाहू महाराजांनी १६२० साली वेठिबगारीची पध्दत बंद केली आणि महार समाजाला गुलामिंगरीतून पूर्ण मुक्त केले. या लोकराजाने महात्मा फुलेंचा सामाजिक समतेची संघर्ष पुढे नेला. आपल्या मनातले हे काम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरच पुढे नेऊ शकतील, हे महाराजांनी ओळखले होते आणि तेच त्यांनी या आपल्या अशिक्षित प्रजाजनांच्या मनावर ठसवले. त्यांच्या सर्वाभिमुख विकासाच्या दृष्टिकोनामुळे इतिहासकारांनी त्यांची नोंद लोककल्याणकारी राज्यकर्ता म्हणून केली आहे. ६ मे १६२२ रोजी मुंबई येथे त्यांचे निधन झाले. आपल्या २८ वर्षाच्या कारिकर्दीत त्यांनी शिक्षण, कृषी, उद्योग, कला, क्रीडा व आरोग्य अशा सर्वच क्षेत्रात महत्वपूर्ण योगदान आणि चालना दिली अशा या राजर्षी व्यक्तिमत्वास मानाचे अभिवादन!





आई

कु. सोनाली बडोले बी.ए. - द्वितीय वर्ष

जगण्याचा धडपडील, घर सुटत पण आठवणी कधी सुटत नाहीत आयुष्यातलं आई नावाचं पान काहीही झालं तरी कधीत मिटत नाही तळहाताचा पाळणा करून सांभाळते ती आपल्याला

> आपल्या आयुष्यात आनंदाचा नेहमीच खुलवते ती मला आपण तरी विसरलो तरी माया तिची कधी घटत नाही आयुष्यातलं 'आई' नावाचं पान काहीही झालं तरी कधीच मिटत नाही तीच्या अखेरचा श्वासापर्यंत तीला आपलाच लळा असतो आपलं भलं व्हावं

हयातच तीचा जगण्याचा सोहळा असतो तीच्या पंखाखाली मन निवांत असते चिंता कधी वाटत नाही आयुष्यातलं 'आई' नावाचं पान काहीही झालं तरी कधीच मिटत नाही कधीच मिटत नाही





माझा मित्र

कु. कल्पना चौरसिया एम.ए. - अंतिम वर्ष

ऐक ना,
मला दिसते नुसते चमकते अपरंपार आभाळ,
अलीकडे दाट काळ्या रात्रीची शांत झुळझुळ,
बासरीच्या एखाद्या माधवी स्वरासारखा
तीव्रमधुर तिथला वाऱ्याचा वावर
आणि मुक्त असण्याची
त्यात एक मंद पण निश्चित ग्वाही.
कितीस पाहिलेय मी हे स्वप्न
झोपेत आणि जागेपणीही !
आज तुला ते सांगावेसे का वाटले कळत नाही
पण थांब, घाई करू नकोस
अर्धे फुललेले बोलणे असे अर्ध्यावर खुडू नाही

हे ऐकताना हसशील, तर मर्द असशील, स्वप्न धरायला जाशील माझ्यासाठी तर प्रेमिक असशील, समजशील जर शब्दांच्या मधल्या अधांतरात थपापतेय माझे काळीज, तर मग तू कोण असशील ?

> स्वप्नच होशील तर परमेश्वर असशील, हाती देशील तर पती असशील, आणि चालशील जर माझ्यासोबत त्या उजळ हसरया स्वप्नाकडे समजून हेही, की ते हाती येईल न येईल, पण परिहार्य माझी ओढ, माझे कोसळणे, धापत धावणे, आणि माझा विश्वास, की माझे मला लढता येईल, तर मग तू कोण असशील ? मित्र असशील माझे मित्र !



वाधा

कु. करिश्मा गौतम बी.कॉम - द्वितीय वर्ष

बट सांजेची ढळता ढळता, यमुनेकाठी सजते राधा... सावळ ओठी घुमता पावा, कण कण होते विरते राधा....

उनाडा वारा पदर छेडतो, अन वाटेवर पाय घसरतो.... घट डोईचा जपता-जपता, अंगोपांगी भिजते राधा....

कधी रााधिका कधी प्रेमिका, विरक्त देही अभिसारीका क्षणी गजल की क्षणात गाथा, कोणाला ना कळते राधा....

फुलात अंतर, दुधात साखर, असेच मीलन जिवशिवाचे तुझ्या अंतरी रूजता-रूजता, कुठे निराळी उरते राधा???

कुष्ण गोंदला जणू मनाला, आणि तनाला गोकुळ बेडी सगळयांसाठी जळता-जळता, भक्तीसाठी विझते राधा....

संसाराच्या पडद्यावरती, जरी भूमिका वेगवगळया तरी लाघवी, अल्ल्ड, अवखळ, प्रत्येकीतच असते राधा!







ENGLISH SECTION

Editor: Dr. Chetna Pathak

Table of Contents

PROSE SECTION

1. IMPORTANCE OF EDUCATION Ku. Aarti Ninave

2. WORLD TIGER DAY Ku. Karishma Goutam

3. TECHNOLOGY Ku. Kajal Lilhare

4. MY MASTER BY SWAMI VIVEKANAND Ku. Gayatri Kamdi

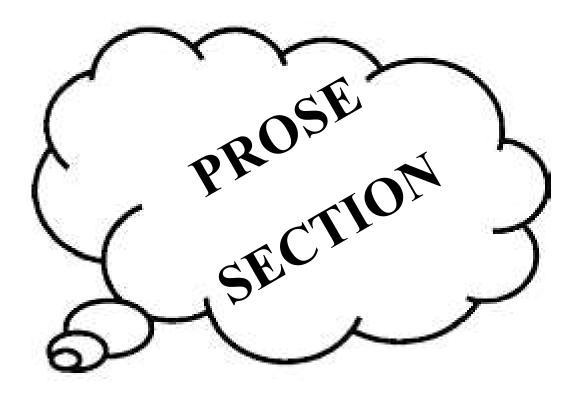
5. NEWSPAPER Ku. Prachi Meshram

POETRY SECTION

1. NATURE IS EVERYWHERE WE GO.... Ku. Harpreet Kaur Sountre

2. ALWAYS YOUR FRIEND Ku. Neharika Pillay

3. HOW TO SUCCEED IN HUMAN RELATIONS Ku. Ragini Namdev







IMPORTANCE OF EDUCATION

Ku. Aarti Ninave

The importance of Education is an important issue in one's life. It is the key to success in the future and to have many opportunities. in our life. Education has many advantages to people. For instance it illuminates a person's mind and thinking. It helps students to plan for work on graduating from university. Having education in any area helps people to think, feel and behave in a way that contributes to their success and improves not only their peersonal satisfaction but also their community. In addition education develops human personality, thoughts, dealing with others and prepares people for living happy life. It make people have a special status in their own society and entitled to have education "From cradle to grave". There are various benefits of having education such as making a good career, having a good status in society and having self confidence. First of all education gives us the chance of making a good career in our life. We can have plenty of chances to work at any workplace we wish. In other words, opportunities for a better employment can be more easy. The highly educated we are, the better chance we get. Moreover, education polishes our character and behaviour toward others. It equips us with information in various fields in general and our specialization in particular, especially what we need to master in our job career.

Therefore without education we may not survive properly nor have a decent profession. Furthermore, education grants us a good status in society. As educated people we are considered as a valuable source of knowledge for our society. Having education helps us teach others to be cirilised, manners and ethics in our society.

For this season, people deal with us in a considerable and special way for being productive and resourceful.

In addition, education makes us a role model in society especially when our people need us to guide them in the right way or help them when they tail to take decision.

All in all education is the process of acquiring knowledge and information that lead to a successful future. Thus, there are a lot of positive traits of having good education such as having a good career, having a good status in society and having self-confidence. Education makes us view obstacles as challenges to overcome with no fear, facing new things. It is the main factor behind successful people and the merit of developed contries.



- Fallen leaves on the ground are the golden song of immortal creativity.
- Everyone must take time to sit and watch the leaves change.
- Days decrease, / And autumn grows, autumn in everything.
- Life starts all over again when it gets crisp in the fall.
- Every leaf speaks bliss to me, fluttering from the autumn tree.
- Autumn ... the year's last, loveliest smile.
- I'm so glad I live in a world where there are Octobers.
- Everyone must take time to sit still and watch the leaves turn.
- There is a harmony in autumn, and a luster in its sky.
- Autumn passes and one remembers one's reverence.





WORLD TIGER DAY

Ku. Karishma Goutam
B. Com.- I

- 1. International Tiger Day is celebrated on 29th July every year.
- 2. It is celebrated to raise the awareness for the conservation of Tigers.
- 3. The day was created in 2010, at the saint Petersburg Tiger summit, in Russia.
- 4. The goal of this day is to promote a global system for protecting the natural habitate of tigers.
- 5. Tiger is one of the most powerful and strongest animal of the world.

International Tiger Day is celebrated annually on July 29. The tiger enjoys the reputation of being the largest of the world's big cats. A tiger can be easily identified with its distinctive orange and black stripes on its face and body. International Tiger Day is celebrated across the globe so that all of us can raise awareness for tiger conservation. The day aims to build a worldwide system that will be dedicated to protecting tigers and their natural habitats. A safe and thriving habitat for tigers means that we conserve other species and our forests, too. Through International Tiger Day we can work for a future where humans and tigers can cohabit peacefully.

HISTORY OF INTERNATIONAL TIGER DAY-

International Tiger Day was first celebrated in 2010 after it was found that 97% of all wild tigers had disappeared in the last century, with about only 3,000 of them remaining. It's not news that tigers are on the brink of extinction and International World Tiger Day aims to halt the numbers from worsening. Habitat loss, climate change, hunting, and poaching are only some of the factors that are responsible for the decline in the tiger population. Along with the preservation of these species, the day also aims to protect and expand their habitats. Many international organizations

such as the WWF, the IFAW, and the Smithsonian Institute also observe International Tiger Day.

With the loss of habitat and climate change, tigers are increasingly coming into conflict with humans. Poaching and the illegal trade industry is also a very serious threat that wild tigers face. Demand for tiger bone, skin, and other body parts is leading to increased cases of poaching and trafficking. This is resulting in localized extinctions, which has made the revival of the tiger population next to impossible. Another threat that has negatively impacted the tiger population is the loss of habitat. All across the world, we are witnessing a loss of tiger habitats due to access routes, human settlements, timber logging, plantations, and agriculture. In fact, only about 7% of the original tiger habitats are still intact today. Experts also worry that the lack of genetic diversity among tigers can lead to inbreeding in small populations. The ever-increasing habitat loss means that the conflicts between tigers and humans are on the rise. Tigers may wander into the human population which is worrying for people as well as these majestic cats.



- "Life is 10% what happens to you and 90% how you react to it."
- "Do something wonderful, people may imitate it."
- "Doubt kills more dreams than failure ever will."
- "It always seems impossible until it's done."
- "Love yourself first and everything else falls into place."
- "Success is liking yourself, liking what you do, and liking how you do it."
- "Aim for the moon. If you miss, you may hit a star."
- "You are your best thing."
- "Caring for myself is not self-indulgence, it is self-preservation, and that is an act of political warfare."
- "If you can dream it, you can do it."



TECHNOLOGY

Ku. Kajal Lilhare

B. Com. - II

In this essay on technology, we are going to discuss what technology is, what are its uses, and also what technology can do? First of all, technology refers to the use of technical and scientific knowledge to create, monitor and design machinery. Also technology helps in making other goods that aid mankind.

Experts are debating on this topic for years. Also the technology covered a long way to make human life easier but the negative aspect of it can't be ignored over the years technology advancement has caused a severe rise in pollution. Also, pollution has become a major cause of many health issues. Besides, it has cut off people from society rather than connecting them. Above all, it has taken away many jobs from the workers class.

As they are completely different fields but they are interdependent on each other. Also, it is due to science contribution we can create new innovation and build new technological tools. Apart from that, the research conducted in laboratories contributes a lot to the development of technologies on the other hand, technology extends the agenda of science.

Regularly evolving technology has become on important part of our lives. Also, never technologies are taking the market by storm and the people are getting used to them in no time. Above all, technological advancement has led to the growth and development of nations.

Although technology is a good thing everything has two sides. One is good and the other is bad. Here are some negative aspects of technology that we are going to discuss.

With new technology the industrialization increases which give birth to many pollutions like air, water, soil and noise. Also they couse many health birds and human beings.





MY MASTER BY SWAMI VIVEKANAND

Ku. Gayatri Kamdi
B. Com. - II

"Whenever virtue subsides and vice prevails, I come down to help man-kind" declares Krishna, In the Bhagavad Gita. Whenever this world of ours, on account of growth, on account of added circum stances, requirs a new adjustment, a wake of power comes and as man is acting on two planes, the spiritual and the material, waves of adjustment come on both the material plane, Eurpe has mainly been the basis during modern times and of the adjustment on the other, the spiritual plane, Asia has been the basis throughout the history of the world. To-day, man requires one more adjustment on the spiritual plane; today, when material ideas are the height of their glory and power; today when man is likely to forget his dimine nature, through his growing dependence on matter and is likely to be reduced to a more money making machine, an adjustment is necessary and the power is coming, the voice has spoken, to drive away the clouds of gathering materialism. The power has been set in motion which, at no distant date, will bring until mankind once more the memory of their real nature and again the place from which this power will start will be Asia. This world of ours is on the plane of division of labour. It vain to day that one man shall possess waythings. Yet have childishness thinks that his doll is the only possession that is to be coverted in this whole universe. So a nation which is great in the possession of material powers thinks that is all the is to be coveted, that is all that is meant by progress, that is all that is meant by civilization and if there are other nations which do not care to possess and do not possess these power, they are not fit to like, their whole existence is useless. On the other hand, another nation may think that mere material civilization is ulterly useless. From the orient came the voice which once told the world that is a man possess everything that is under the sun or above it, and does not possess spirituality, what matters it? This is the oriential type, the other is the accidential type.

Each of these type has its grandeur, each has its glory. The present adjustment will be the harmonizing, the mingling of these two ideals. To the oriental, the world of senses. In the spiritual, the oriental finds everything he wants or hopes for, in the he funds all that makes life real to him. To the accidential he is a dramer; to the oriental, the accidential is a dream, playing with dolls of five minute and he laughs to think that grown-up men and women should make do much of a handfull of matter which they will have too leave money to or later.

It is the man who is ways is the mind. it is the man who is lord of his mind who alone can become happy and none else. But, what, after all, is this power of machinery why should a man who can send a current of electricity through a wire be called a very great man and a very intelligent man? Does not nature do a million times more than that every moment? why not then fall down and worship natue? What matters it if, you have power over the whole of the world, if you have mastered every atom in the universe? That will not make you happy unless you have the power of happiness in yuorself, until you have conqueyed, yourself. Man is born to conqure nature, it is true, but the accidential means by "nature" only the physical or external nature.

The more such men are produced in a country, the more that country will be raised; and that country where such men absolutely do not exist is simply doomed, nothing can save it. Therefore my master message to mankind is, "Be spiritual and realize truth for yourself.

You will know that there is no need of any quarrel, and then only will you be ready to help humanity. To proclaim and make clear the fundamental unity undertaking all religious was the mission of my master. Other teachers have taught special religious which bear their names, but this great teacher of the nineteenth century made no claim for hinself he left every religion undisturbed because he had relized that, in reality, they are all part and parcel of one external religious.







NEWSPAPER

Ku. Prachi Meshram
B.A- II

Newspaper are one of the most important documents. They can be said to be the powerhouse of information. They offer us other benefits as well which helps us in our lives. You become better informed through newspaper reading & it also broadens your prespective However, newspaper reading is becoming a dying habit. As the world is moving towards digitalization, no one really reads the newspaper. At least not the present generation. The realship is maintained mostly because of the older generation only.

Newspaper reading is one of the most beneficial habits. It helps get acquainted with the current affairs of the world. We get to know about the latest happenings through a reliable source. Similarly, we also get an insight into the different domains including Politics, Cinema, Business, Sports and many more.

Further more, newspaper reading also result in opening doors to news employment opportunities. Reliable companies post their adds in the newspaper for business and employment opportunities so we see how it is a good place to seek jobs.

Further more, we can easily promote our hands and product with the help of newspaper the consumers learn about the latest deals and launch which connects them to businesses.

Most importantly, it also improves the vocabulary and grammer of a person. You can learn new words and rectify your grammar through newspaper reading.

In addition, a persion who reads a newspaper can speak fluently on various topics. They can socialize better as they are well aware of the msot common topics. Similarly, it also saves us from getting bored. You won't need any company if you have a newspaper in hand.

Unfortunately, despite having so many benefits, newspaper reading is becoming a dying habit. As people are getting instant updates on their mobile phones & computer systems they barely read the newspaper. Electronic gadgets are more convenient for then so they don't brother to put up the newspaper.

Morover, we see that everything has become very convenient and instant now. You can learn about what is happening in the other part of the world as it is looking place. People do not wait for newspaper anymore, as they feel it only states what they have already been informed about. In addition, they do not wait for newspaper anymore, as they feel it only states what they have already been informed about. In addition they do not wait for the next day to read the newspaper about current affairs, as they get it instantly thanks to the interent.

Most importantly, people are themselves running out of the habit of reading itself. Everything has become so visual now that no one borther to read newspaper, book, novels or more. The internet has made it worse as now there is a video for everything. People won't but mind watching a five minute vide, but with how even not prepare to read a five minute long article.

It just shows how we are becoming so inactive and lazt. Everyone just needs things to be served on a platter. Therefore, we must not let this become a dying habit as newspapers are very reliable sources of news. In the absence of these, there with be hardly anyone lefts to verify the data and information we are being fed.

Newspaper reading has numerous benefits. It make us aware of the current affairs and also makes us will versed. It also kills freedom and enhances our vocabulary and grammer. You can also seek jobs and promotions through newspaper.

Newspaper reading is becoming a dying habit as the world is moving towards digitalization. You can now get everything on your phones and computers so people are not into newspaper reading as they were before.





BAD HABITS AND LIFE

Ku. Aarti Rewatkar B. A - I

Habits are formed by repeatedly doing the same thing. But there are good habits and bad habits. But habits are easily acquired such as eating more sweets or too much food or drinking too much or smooking. The more we do a thing, the more we tend to like doing it. If we do not continue to do it, we are very unhappy. This is called the force of habit and the force of habit should be fought against.

Things which may, be very good when only done from time to tires and tend to become very harmful when done too often and too much. This applies even to such good thing as work or rest habit of working too much and others of idling too much. The wise men always prefer to work as far as his health permits. You should not be over greedy. He says to himself. "I am now becoming idle or like too many sweets" or "I smoke too much" and then adds "I will get out of these bad habits t once."

One of the most widely spread of bad habits is the use of tobacco. Tobacco is now smoked or chewed by men often and even by some students and by some women all over the world. It was brought into Europe from America by sir watter, Rateigh from centuries ago and has then spread everywhere one very much, doubts whether there is any good in the habit, of even when tobacco is not us to excess. It is extremely difficult to get rid of the habit when once it has been formed.

Hence it is high time to think at and determines to free himself of such bad habits which ultimately will infuse in him a new confidence and rejuvenate him for further hard and sustained work of any kind.

Bad habits are the result of a lack of self control. They are usually formed in childhood and become a part of our life.



- Take care of your body.
- Make time for yourself.
- Improve your social skill.
- Do something you enjoy.
- Avoid negative people.
- **Be** aware of the importance of sleep.
- Set realistic goals for yourself.
- Keep track of what your doing and how much time you're spending on it.
- Find a hobby that doesn't require much time or money.
- Get enough exercise.

We must have to admit that we all have bad habits. Bad habits are just a part of our day to day life.

However, some of those bad habits are not simply bad; they are worse knowingly or unknowingly they take away our healthy lifestyle from as. But we are not able to understand about that unless we reach the end spot. Ultimately, then there would be nothing left for us to do.



- Good, better, best. Never let it rest. 'Til your good is better and your better is best.
- Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.
- Optimism is the faith that leads to achievement. Nothing can be done without hope and confidence.
- If you're going through hell, keep going.
- Life is 10% what happens to you and 90% how you react to it.
- Start where you are. Use what you have. Do what you can.





NATURE IS EVERYWHERE WE GO....

Ku. Harpreet Kaur Sountre

B. A - I

Mother Earth is everywhere we go, Everything that lives and grows is nature; In your Mother Earth some animals are big and small; So, Nature is Everywhere we go.....

Nature is beautiful in everyway we see;
lovely flowers, exciting butterflies they need your care;
so learn and liston to keep save your nature;
And help to keep nature Beautiful forever;
Your Mother Earth gives us many thing;
All the things are very important in your life;
Mother Earth provides us fresh air, fresh water,
fresh food, fresh fruits, fresh flowers, raw materials
So, Nature is everywhere we go.....

Mother Earth is very Helpful in medicinal use; And provides many thing to industries and Buildings; Nature gives us green fresh look and Beautiful effects; Many Birds, insects, small animals also enjoy Nature; So, Nature is everywhere we go....

Mother Earth is very important in your life; It plays an important role in your lifetine; So, please learn to love your Mother Earth your nature; And take care of it Because it is very important for us; So, Nature is Everywhere we go....





ALWAYS YOUR FRIEND

Ku. Neharika Pillay
B.A- I

Sometimes it's hard to write the wrods.

That you, may dear, should see
or say the things that you need to hear.
You grow so fast and learn so much
It's hard for me each day.
To say or do just what is best.
To help along the way.
Should I be silent or give advice?
Should I answer Yes or No?
Should I have control - set many rules.
or simply let you go?
One thing is certain - I'II make mistakes.
And some will seem hard to mend.,
But if nothing else seems clear right now,
Know that you can always count on me your friend.





HOW TO SUCCEED IN HUMAN RELATIONS

Ku. Ragini Namdev B.Com - III

Politeness is the speech irrespective of the person to whom we speak.

Courteous behaviour towards all; superiors, equals and subordinates.

Willingness to help all who are in need of help.

Joyousness in talk, however hard and inconvenient it might be.

Keeping out the 'Personal element' from all our words and actions.

Doing our work with greater efficiency and therefore more and more perfectly.

Respect towards all with whom we come in contact in the course of our daily life and work

Making it easy for others to work with us. Forget one's own troubles and difficulties and have no sense of personal offence, however much be the provocations from the other side.

Maintain calmness of the mind under all circumstances, avoiding irritability.

Be strict and uncompromising with your own weaknesses, but be charitable for the weaknesses of others.

Anonymous.







Shradhanjali to swargiya Bharat Kokila Lata Mangeshkar Dept.of music

हिंदी दिवस, हिंदी विभाग



All India Woodball Competition



गृहअर्थशास्त्र विभाग की ओर से पाक कला प्रतियोगिता





राज्यस्तरीय शोध निबंध प्रतियोगिता प्रथम द्वितीय पुरस्कार राजनीतिशास्त्र विभाग



गृहअर्थशास्त्र विभाग, बांधनी वर्कशॉप



धूम्रपान निषेध पथनाट्य एनएसएस विभाग





Gender Sensitisation workshop Department of Sociology



All India Woodball Championship Winner Silver Medal

युगधर्म

ऑनलाइन पालक सभा हुई

दयानंद कार्य कन्या महाविद्यालय में आयोजन

बारका त्यानंद आर्थ काना व र पालक संघ की और से अधिनायन पाल पा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वॉ. अंजु मार्ची (संपालक, बीकुम्बर अलोपनाम), आयान बद्धाः अन्तिबुक्तः प्रधानं कीः पुरस् अतिकि ने तेत संबंधी जानकारी थी। उन्होंने प्रणापनः, गण्यात, इन्युनिर्दे काझ तथा कोरोजा जा हो इसके ११ करा करना चाहिए तथा कोरोजा होने के बाद किस त रेक्स्पल कानी प्रतिषे, इस विषय में विश्वत कारी ही। प्राचार्य ही श्रद्धा अभिनकुतार वे पालको वैक्सीन लेला कारी करू है, उसके पायारे,पीजा भूगता केसी लेती है, उस विकास में विश्तुत किया कार्यक्रम का संपालन थी. गुवला को ने किया और आधा प्रशांत मुठी गील यहाती किया एक क्षत का बड़ी संदाय में फाल्क ने लाच पटा भागा को सम्बन्ध करते में हिमिन एपट गीन









आभासा व्याख्यान श्रुखला का आयाजन

क्याः दयानंद आर्थं कन्या शराविद्यालय नारपुर सहिता er antenna ung samba ghan vertigenes error drames aftern vertigenes महाविद्यालय दिश्ली उपस्थित में। मार्गक्रम मी अन्तरकार का प्रत्यानी हो, मीद्र मार्गके पीडाल्यूएस करत सामित्रक महाविद्यालय तारापुर ने की। विशेष सहाविद्यालय के प्रत्याने की गामाना प्रतित, प्राप्ताने डॉ. अस्य अस्ति कुमत शॅ. बंदन पारदीवर,प्रापार्व

> strik smert अगर पक्ती तथा राज्येति शाम विभाग प्रमुख श्री विभाग राजीतः श्री पुराण विभागस्थाः स्त्री समीतः MT. कृत, वर भागप्रीकर, वर्र तेला प्रवेचन, वर्र, मुक् artist true was it THE SHOOL PRODUCT









यानंद और सेवादल महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन





जलसंग्रहण पर वेबिनार का आयोजन

नागपुर । दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय एवं मातु सेवा संघ नागपु के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 8 अगस्त को 5 बजे एनएसएस के अंतर्ग जलसंग्रहण पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारं दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. श्रद्धा अनिलकुमार है उद्बोधन से हुआ। जिसमें उन्होंने सभी से जल संग्रहण के लिए शपथ लेने व आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन दयानंद महाविद्यालय की प्रभारी डॉ ऋतु तिवारी के द्वारा किया गया। मातृ सेवा संघ के प्रभारी डॉ. प्रिस आगाः के द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार खपेकर का परिचय प्रस्तृत किया गया सिंधु महाविद्यालय के बॉटनी विभाग प्रमुख डॉ. खापेकर ने मुख्य अतिथि



नालवानी की सेवानिवत्ति विदार्ड समारोह का आयोजन





'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम दयानंद आर्य कन्या कॉलेज में आयोजित

प्रियांशी, अपर्णा ने मारी बाजी

नागपुर(काप्र.). दयानंद आर्य कन्या म हा विद्यालया जरीपटका राजनीति शास्त्र विभाग तथा राष्ट्रीय



सेवा योजना विभाग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य प्राचार्या डॉ. श्रद्धा अनिल कुमार के मार्गदर्शन में तथा ड बबीता थूल, डॉ. तनुजा राजपूत के नेतृत्व में चित्रकला स्प का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रियांश चौधरी, बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय पुरस्कार अपर्णा पटले बी.। द्वितीय वर्ष को पीयुष चीवंडे मतदाता पंजीयन अधिकारी 5 नागपर उत्तर (अनसचित जाति) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ह

बालक-बालिकाओं को दें समान शिक्षा - डॉ. श्रद्धा

नागपुर। दवानंद आर्य कन्या महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप मे ऑनलाईन मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. श्रद्धा अनिलक्षमार ने की प्राचार्या ने कहा





नागपुर। दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय में उद्यमिता विकास पर वेबिनर का आयोजन किया गया। बी एल अमलानी महाविद्यालय मुंबई के साथ संयुक्त रूप से छात्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत यह किया गया। मुख्य वक्ता सेठ केसरीमल पोरवाल कॉलेज के डॉक्टर तुषार चौधरी ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए उद्यमिता विकास के लिए आवश्यक कौशल के बारे में जानकारी दी।







विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण का लिया संकल्प



वर्षावरम विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्रान्तार्थ हों.बहा अधिनकुमार के मार्गवर्धन में विश्व पृथ्वी विश्वस मनावा गया। इस बार्यक्रम के उपलाय में छात्राओं ने गमलों में गीये लगा तथा पर्याचम दिख्य पा ग्रंबल्य निया। प्रानार्थ है अपने संदेश में सावाओं को कहा कि पेड़ चौपे लगाए, पानी बा संक्षित्र करें, प्लास्टिक बा प्रधान ना करें, प्रधन

नागपुर। सामंद आर्थ कन्या क्लानिवालय के बचाइए, विवली क्याइए, माहिक्त का उपयोग करें। अमित्रम का ग्रंपालन हो बेलन पाइक सहयोगी प्राध्वारिका ने किया तथा प्राध्वारिका गीता गतानी ने जनम प्रकृति विवात कार्यक्रम सम्पन्त बनाने प्री,क्ष्मीता बल और डॉ.मीना बालपांडे, डॉ.मचा देशपांडे, डॉ.मंड्या इसली का योगायन गा। कार्यक्रम में सारों ने बारी मंगला में बात रोकर कार्यक्रम संस्था

व्यक्तीत्व विकास एवं स्वसुरक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन





वित्तीय शिक्षा जागरूकता सप्ताह मनाया

साविकास्य तथा बारतीय प्रतिबृत्ति और विशिवार बोर्ड की और से शंक्ष पर से सार्थर अर्थ करन some accepts proving shake #f fr

ा विकास प्रमुख स्था हो। विकास मिटी बोर्सन जानु के प्रकार हाँ. सुबीर मेरे ने प्राप्तानें को विशेष विकार का वर्गातांत्र tie alt im bit un fer mit some



क्यों तरफ विभिन्न उपारण किर हैं। इन क्यों पूर्व क कार नाम में चारण में किया उनके बात कि जानता उपार्थ करेवार परिवार है. अबर केले करती पार्थिय, जाताओं को उनकेश्वर किया। जाता दिवित होकर विभीत दिवार करीता पूर्व में किया उस कार्यक्रम त्तरकारिती होग्रीम, सून्यभाग कार्तावहरूप के हानाई तो बहु व्यवस्थित का मध्ये है। कार्यक्र में सन्दे हरूपाक और वाहाओं ने बहु, इनेतरित के नित्र हान्यूरित, अस्ति कुछा इतिहें हमूह करा का असोनक, संस्तान हो, केला नहीं हाता में बार्गक्र में हार्तिक

with and coinfly have & feet we enture or over enture steel with



ज्य शासन एवं राजनीति विषय पर व्य



दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय



दवानंद आर्य कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मेंस्ट्रअल हेल्थ एंड हाइजीन इस विषय पर वेबीनार का आयोजन ग्लोबलहंट फाउंडेशन की कारपोरेट पार्टनर यूनिचारम इंडिया के सौजन्य से किया गया। विद्या चौधरी सीएसआर कार्यकारी ने मासिक धर्म चक्र संबंधी समाज में फैले विभिन्न भ्रम और भ्रांतियों का निराकरण वैज्ञानिक तरीके से समझाया और स्वच्छता संबंधी पहलुओं पर चर्चा की। वेबीनार का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ इंद ममतानी द्वारा किया गया। प्राचार्य डॉ. श्रद्धा अनिल कुमार के मार्गदर्शन में वेबीनार का सफल संपादन हुआ।

विदर्भ की बात SUNDAY दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय में डॉ.आंबेडकर को किया अभिवादन

वराषुद्र व्याप्त आव वर्णा वराविद्याला के राज्योगि शास्त्र विद्याल द्वारा महाविद्यालय के प्रत्यार्थ की स्त्रप्त अभितः कृतार के सार्गदर्शन में इर्ड आस्त्रार अस्त्रप्त वर्णा अभित्रप्रदर्शन की 131 क्यांनी सन्तर्थी

বর্ত।

্যান কার্যক্রম দী সনুয়ে বকা ক্রান্ত্রনালা আফাই সর্বাদী সাংবাদিকা দী প্রান্তানালার আবিহুকা ক বিভিন্ন বিভাগী গা जार्थकक क विशेष विकास पर जार्थकों को सार्वामां किया। इस मार्थकम में मार्याक्यालय के विशेष्ठ जाराजों ने भाग विश्वा कु. सूर्वा निश्चेण ने प्री. अविद्याल के विकास पर्याल किया। कु. दिक्सी पर भागम विकास के के विकास पर्याल किया। के अन्य तील प्रस्तुत किया।



after we first own face a आधा प्रशांत चेतना पाउक

ने वार्त अंद्रवा में बात लेका



स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान दें महिलाएं- डॉ.कुकेकर

arreges explic and क्या वर्ताच्या है रक्षा निवास समिति के अंतर्गत union un ambus fem नदाः मुख्य अतिक विद्यानी सर्वाताः स्टानियालयः सी quadros form upu si गुधारी कुलेका थी।

इसी पीला स्थाप और वर्ताला सक्लोकाम इस विका पा प्राप्ताओं को पार्ताकों किया। उन्हेंने बता कि महिलाओं ने अने स्थापन की और विशेष ध्यम तेत वर्तिते. वह उत्तव स्थापन डॉक खेश तर्ना वह

कार्यक्रम की अध्यक्त भी



व्यानंद आर्थ बन्दा शतीव्यानाः वे स्थाप अपन वे प्रशा कि, ntruc à ex vien fefur श्री तो था छूं पीवर को जिल्लिकारी है।

समा भी स मीताओं ने अधिक में अध्या होता करते हैं। बर्गाहर को सारत करते हैं उनुष श्री मुनात वाक्षी औ श्री बेक्स पात्र का क्या केमान पा: संचानर व चीचड मु.सूर्ती तुरकाते ने किया और कु. तनुगा तागद्दे ने आभा प्रचानि किया। कार्यक्रम में प्रध्यतिकां तथ बड़ी संख्या में ureri reflux re-



लघु शोधनिबंध वाचन प्रतियोगिता में मिला प्रथम व द्वितीय पुरस्कार

त के राज्योंने साथ क्यिन इस र्श-स्थीता शून के वर्णातीत में दर्श-सनुकाल वातीक पीडम्प्यून करा वर्तिना विद्वार बहर्ववद्यालक राज्यु क्रिका तथा हो हर छ। धोले किया संध नागम के संदुक्त विद्यास के पीड़कानुमा नालित में एक विद्यास राज्यसमीय पार्च का वे 'भागीय ग्रीकार्य और पातार न्यावर का बेरातार त्रावन्त्र और पातार न्यावर का विश्व पा उनुसीव विश्वय प्राप्त प्रतिकृति में मु. कित सेव बीए प्रथम भी प्रथम पुत्रका तथा मु. अपनी पद्मी भीत दिलीय भी दिलीय प्रथमता प्राप्त



🗷 🖫 आर्य वाणी

नेभेर भारत अंतरराष्ट्रीय आभासी सम्मेलन

वानंद आर्व कन्या तिषटका नागपुर, इंस्टीटपूट ऑफ गपुर तथा बीएल र मुंबई के संयुक्त तेष्ट्रीय सम्पेतन का ताव प्रणाली प्राप । को किया गया। रुआत हॉ. धडा प्रास्ताविक भाषण स उद्घारत प्राचार्च पित्रई कॉलेज ऑफ ने किया मुख्य में प्रोप्रेसर हमन विजनेस स्टब्रांज, आंफ रेक्नोलीती,



हिंदी दिवस मनाना हमारी संस्कृति: डा पाण्डेय

सामपुर, पानांत सार्व कथा प्रताहिकाल विति विभाग हुए तिथे विद्या स्थापित स्थापाद स्थापा स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद से स्थापाद स्थापाद से स्थापाद के स्थापाद स्थापाद स्थापाद से स्थापाद के स्थापाद स्थापाद सीच में स्थापाद से स्थापाद स्थापाद स्थापाद सीच स्थापाद से स्थापाद स्थापाद स्थापाद सीच स्थापाद से स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद सीच सिंद्या स्थापाद स्यापाद स्थापाद स्यापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थापाद स्थ र अन्य कालन व बात के लि किस पारण रासी संस्कृति का एक किसा है. उन्होंने वह की आह कि संस्कृत के लिये कर कि सम्बन्ध पार्था, सुकता प्रति के कुत में सोदा से रामित्रियान ने लिये कर्या के सुकता करा किस्ता के अधिक रोस्कृति करा किस है. अन्य संस्कृत सुब के सुकता करा किस है.



क अंतगत पाधारापण शुरू

नागपुर । दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय नागप्र की राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 8 अक्टूबर 2021 से 10 अक्टूबर 2021 तक 'माझी वसंघरा' कार्यक्रम के अंतर्गत पौधा रोपण का अभियान प्रारम्भ गया जिसमे छात्राओं



ने बढ़ चढ़ के सहभाग किया। इसके अंतर्गत सभी छात्राओं ने अपने घरों के आस पास वक्षारोपण किया और उनका पालन करने का संकल्प भी लिया। पर्यावरण को संतुलित बनाने और धरती को हरी बनाने के संकल्प के साध यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ श्रद्धा अनिलकुमार द्वारा किया गया प्राचार्या ने छात्राओं को पर्यावरण का संरक्षण करने हेतु मार्गदर्शन

दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय



मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत असरानी के अभिमन्यु कुकरेजा, आर्य विद्या स हाथों तिरंगा फहराया गया. डॉ. संजय के सदस्य वेदप्रकाश आर्य द्व कविश्वर, अशोक कृपलानी, सम्मानित किया गया. डॉ. मुर घनश्यामदास कुकरेजा, राजेश देशपांडे ने अतिथियों का परिच लालवानी, भूषण खुबचंदानी उपस्थित दिया. कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मी थे. प्राचार्य डॉ. श्रद्धा अनिल कुमार ने बालपांडे आदि का सहयोग रहा. अ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की. छात्रा तथा विद्या सभा के सचिव राजे

दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय में पदवी हेतु लालचंद लखवानी और र

दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय में सात दिवसीय विद्यार्थी विकास कार्यशाला

व्या धरानकाला, भी.मी.एड नेतर पर्शावकारण को जीना serficación la signi facioni it was firstly frout! Tours Borner 2021 # 21 Bobs 2023 ON YOU'VE GHA HE à punc à court ugh à

and more neform di soni si. बदा ऑक्स्क्रमा, मी.मी.सह ku pefeme k med भारतिसालक के प्राथमी थी. elegan ods, squ sec संबंध पीता प्रवस्थित के इस बार्वताला की कृष्णा में dread within 41 grantene fivers uses of. we with six rest use





my st. bend udoes, त्मातम् राज्यं क्षतित्र संविधः क्षी गृहक्षतित्रक्षः विभागः प्रमुख द्यं, नोपुरत प्रातेशव, त्राव, च् unflexes s) st drift form it must shifte serbade fano:

forme is some retiring को त्याच और ग्रंचल, चोटन स्थानों को सुर्गतत सकत, चोटन कार्व प्रतान ना से आने जान, चोरम विशासन, स्पेर्ट्स पुरिताम, पंटीमनिवर्तिक सम विषयों पर विश्वत आस्क्षाी ही

क्षातीताल को अबार बनाने ik firk grandens from sign of gam mak, af. Sem served, at awart भारताहे ने अस्पार्थ क्रिका इस सर्वास्तास में 300 प्रतास सम्बद्धाः हेरा

दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय की 3 छात्राएं मेरिट में

